TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday | tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | रक्षाबंधन-जन्माष्टमी पर रात 11 बजे तक खुलेंगे बाजार... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-54 | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 26.08.2026

जातीय जनगणना गिनती नहीं, हिस्सेदारी की जंग... तय करेगी चुनावी समीकरण

एजेंसी, नई दिल्ली।

ओबीसी की बिसात पर जातिगत जनगणना के तौर-तरीकों को लेकर सियासत शुरू हो गई है। ओबीसी की वास्तविक संख्या सामने नहीं आने की आशंका जताते हुए विपक्षी दल इसे तूल देने में लगे हैं। अगले साल सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। उनमें और आगे के चुनावों में भी जातिगत जनगणना के बहाने सामाजिक न्याय का मामला तूल पकड़ेगा। उत्तर प्रदेश समेत चुनावी वाले राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ जातिगत जनगणना का मुद्दा ओबीसी आरक्षण और प्रतिनिधित्व के इर्द-गिर्द आने लगा है, इसलिए जनगणना के नतीजे आने से पहले राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति में बदलाव शुरू कर दिया है।

अखिलेश यादव ने चालबाजी करार दिया

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र की जातिगत जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया को चालबाजी करार दिया है। यदि केंद्र यह काम ठीक से नहीं करता, तो यूपी में सपा की सरकार बनने पर तीन महीने के भीतर जातीय जनगणना कराई जाएगी। सपा का जोर पीडीए में ओबीसी के मुद्दे को धार देना है। सत्ताधारी भाजपा भी विपक्ष के इस मुहिम को लेकर सतर्क है।

तमिलनाडु: करूर सांसद ने पीएम को लिखा पत्र

तमिलनाडु के सांसद एस. ज्योतिमणि ने हाल में प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में यह सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जनगणना प्रश्नावली में एससी-एसटी के अतिरिक्त एक सुस्पष्ट ओबीसी, शैक्षिक पिछड़ा वर्ग श्रेणी को शामिल किया जाए। वर्तनी, शब्दावली या उच्चारण में होने वाली गड़बड़ियों से बचने के लिए जरूरी है कि चिह्नित जातियों और समुदायों के लिए अलग-अलग डिजिटल कोड तय किए जाएं।

आगरा में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बना रही रेशमी और इको-फ्रेंडली राखियां

- रेशम के धागों, मोती और कुंदन से तैयार कर रही स्वदेशी राखियां, बाजार में बढ़ी मांग
- गाय के गोबर और तुलसी के बीज से बन रही इको-फ्रेंडली राखियां, पर्यावरण के अनुकूल
- समूह के द्वारा तैयार राखियों के यूपी के शहरों के साथ-साथ बिहार से भी आ रहे ऑर्डर
- योगी सरकार की पहल से आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बन रही ग्रामीण महिलाएं

टीएनएफ टुडे, आगरा।

योगी सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास अब धरातल पर रंग ला रहे हैं। 'उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन' (यूपीएसआरएलएम) के तहत आगरा जनपद के तीन स्वयं सहायता समूहों की 30 से अधिक महिलाएं रक्षाबंधन के पावन पर्व के लिए आकर्षक एवं सुंदर राखियां बना रही हैं। रेशम के धागों, रंग-बिरंगे मोतियों और सजावटी सामग्रियों से तैयार की जा रही ये राखियां बाजार में चाइनीज और प्लास्टिक राखियों को कड़ी टक्कर दे रही हैं और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका का एक मजबूत साधन बन गई हैं।

स्वदेशी राखियों की बढ़ी मांग

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनीं स्वयं सहायता समूह की बहनें

उपायुक्त (स्वतः रोजगार) प्रेम चंद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशों के अनुसार ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियां गुणवत्ता में बेहतरीन हैं। महिलाओं ने इस पर्व के लिए 20 से 25 हजार राखियां बनाई हैं, जिनका मूल्य 10 रुपये से 50 रुपये तक है। इनकी बिक्री के लिए विकास भवन और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर स्टॉल की व्यवस्था की जा रही है, ताकि महिलाओं को उनकी उपज का उचित मूल्य और बेहतर बाजार मिल सके।

खैरागढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत बेरी चाहर के 'बजरंग बली स्वयं सहायता समूह' और जैतपुर कलां विकास खंड के 'श्री गणेश स्वयं सहायता समूह' की महिलाएं पूरी लगन और रचनात्मकता के साथ इन राखियों को तैयार कर रही हैं। इनमें रेशमी धागे, मोती, कुंदन, गोटा और पारंपरिक सजावटी सामानों का उपयोग हो रहा है। स्थानीय बाजारों के अलावा इन राखियों को प्रदर्शनियों और सरकारी स्टॉलों पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

इन राखियों की मांग उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ बिहार राज्य में भी है, जहां ऑर्डर पर राखियां भेजी गई हैं।

इको-फ्रेंडली राखियां बनीं आकर्षण का केंद्र

बिचपुरी विकासखंड के ग्राम लखनपुर में 'राधारानी स्वयं सहायता समूह' की महिलाएं गाय के गोबर से खास इको-फ्रेंडली राखियां बना रही हैं। इन राखियों की विशेषता यह है कि इनमें तुलसी के बीज डाले गए हैं, ताकि रक्षाबंधन के बाद राखी को गमले या मिट्टी में डालने पर उससे तुलसी का पौधा पनप सके, जो पर्यावरण के भी अनुकूल है।

बजरंग बली स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सर्वेश देवी ने बताया कि पहले हम केवल घर के कामकाज तक सीमित थीं, लेकिन योगी सरकार की योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनने का रास्ता दिखाया। पिछले तीन सालों से हम राखियां बना रही हैं। इस काम से हमें सम्मानजनक रोजगार मिल रहा है और अपनी कमाई से परिवार की मदद कर हम बहुत गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

राधारानी स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष कविता ने बताया कि हम गाय के गोबर से खास इको-फ्रेंडली राखियां बना रही हैं, जिनमें तुलसी के बीज डाले गए हैं। रक्षाबंधन के बाद इन राखियों को मिट्टी में मिला देने से ये बीज तुलसी के पौधे में बदल जाएंगे, जिससे पर्यावरण का भी संरक्षण होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- चुनाव आयोग एआई के प्रयोग को लेकर जल्दबाजी में नहीं

लखनऊ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) के अच्छे सुझावों को पूरे देश में लागू किया जाएगा। चुनाव आयोग के एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट एप पर उनके सुझावों के लिए अलग से कॉलम बनाया जाएगा। हालांकि, यह सुझाव जिला निर्वाचन अधिकारी (डीएम) के माध्यम से अग्रसारित करवाना जरूरी होगा। उन्होंने बीएलओ का आह्वान किया कि किसी भी हालत में पात्र महिलाओं और युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ें। अपने लखनऊ दौरे के दूसरे और अंतिम दिन मंगलवार को सीईसी ने बीएलओ के साथ संवाद किया। राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 20 जिलों से आए 500 बीएलओ व 30 बीएलओ पर्यवेक्षकों से उन्होंने सीधी बात की।

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि यूपी में यह बात सामने आई है कि विवाह होने के बाद महिलाओं के ससुराल वाले पोलिंग बूथ की सूची में नाम नहीं जुड़ पाए हैं। वहीं, मायके वाले बूथ से नाम कट गए। ऐसे में सभी पात्र महिलाओं के ससुराल वाले स्थान की मतदाता सूची में नाम अवश्य जोड़ें। इसी तरह से18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे सभी युवाओं के नाम मतदाता सूची में जरूर जोड़े जाएं। कुछ बीएलओ ने कहा कि उनके अच्छे सुझावों को पूरे देश में लागू किया गया, जिसे सीईसी ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 12 लाख बीएलओ हैं, ऐसे में सभी के सुझाव लेकर पढ़ना व्यावहारिक नहीं होगा। सभी बीएलओ अपने जिला निर्वाचन अधिकारी को सुझाव दें और फिर वह उसमें से सर्वश्रेष्ठ सुझाव चुनाव आयोग को भेजे या फिर ईसीआईनेट के कॉलम में भरें। इसमें से सर्वश्रेष्ठ सुझाव योजना में शामिल होंगे।

'2029 में 'एक देश, एक चुनाव' संभव'

एजेंसी, नई दिल्ली।

अगर संविधान में संशोधन किया जाए और राज्य सरकारें समर्थन करें, तो 'एक देश, एक चुनाव' पहल के तहत 2029 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना संभव है। संबंधित विधेयकों पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने सोमवार को यह बात कही।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मकसद से पेश किए गए 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और 'केंद्र-शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024' को व्यापक विचार की विपक्ष की मांग के बाद संसद की 31-सदस्यीय संयुक्त समिति के पास भेजा गया था। इस समिति की अध्यक्षता राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद चौधरी कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर क्या 2029 के लोकसभा चुनावों के साथ ही राज्य विधानसभाओं के चुनाव भी कराए जा सकते हैं, चौधरी ने कहा कि अगर 2028 तक संसद में संविधान संशोधन को मंजूरी मिल जाती है, तो 'एक देश, एक चुनाव' को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

उन्होंने कहा, ''इसके बाद क्या समस्या है? अगर राज्य 2029 में अपनी इच्छा जाहिर करते हैं, तो ठीक है; वरना हम राज्यों को उनकी विधानसभा भंग करने का निर्देश नहीं दे सकते।'' समिति की बैठक के बाद संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में चौधरी ने कहा, ''उन्हें (राज्यों को) अपने फैसले खुद लेने होंगे। यह संबंधित मुख्यमंत्रियों और उनकी मंत्रिपरिषद पर निर्भर करता है। अगर राज्यों की मंत्रिपरिषद 'एक

देश, एक चुनाव' के पक्ष में फैसला करती है- यानी राज्य विधानसभा के चुनाव लोकसभा चुनावों के साथ ही कराए जाएं-तो ऐसा करना मुमकिन है। वे क्या फैसला करते हैं, यह उन पर निर्भर करता है। भारतीय संविधान इसकी इजाजत देता है; यह मुमकिन है।''

उन्होंने कहा, ''भारतीय संविधान के तहत राज्यों को एक साथ चुनाव कराने का अधिकार है।'' चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र का मतलब लोगों की इच्छा है, न कि राजनीतिक दलों की इच्छा और हर किसी को देखना होगा कि लोगों की इच्छा क्या है। उन्होंने कहा, ह्लहमने 10 राज्यों का दौरा किया और अलग-अलग वर्षों के लोगों से बातचीत की। हमने पाया कि 99 फीसदी लोग और नागरिक समाज के सदस्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के पक्ष में हैं।'' चौधरी ने कहा कि राजनीतिक दलों की राय अलग-अलग हो सकती है, लेकिन समिति को देशहित में मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा, ''हमें उस पर काम करना है, जो लोग चाहते हैं, जो देश चाहता है। हम लोगों की इच्छा के अनुसार काम कर रहे हैं। इसीलिए हमने नागरिक समाज के सदस्यों को उनकी राय जानने के लिए आमंत्रित किया है।'' चौधरी ने कहा कि संसद ने समिति को संविधान संशोधन से जुड़े दो विधेयकों पर विचार करने और उन पर सुझाव देने का काम सौंपा है। इन विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी है। चौधरी ने कहा कि संसद ने समिति को विधेयकों पर विचार करने, कमियों को दूर करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी है कि एक साथ चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते हैं, तो इससे सभी लाभान्वित होंगे और सबसे ज्यादा फायदा देश के युवाओं को होगा।

चौधरी ने कहा कि सरकारी स्कूलों का 30 फीसदी समय हर साल चुनाव से जुड़े कामों में खर्च हो जाता है। ये विधेयक पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के बाद तैयार किए गए थे। समिति ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ चरणबद्ध तरीके से कराने की सिफारिश की थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी कोविंद की अध्यक्षता वाली इस उच्चस्तरीय समिति के सदस्य थे।

संविधान को अपनाए जाने के बाद 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए। हालांकि, कुछ राज्यों की विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण 1968-69 में एक साथ चुनाव कराने का सिलसिला टूट गया।

एक देश, एक चुनाव पर चिदंबरम ने उठाए सवाल, कहा- सरकार की मंशा नहीं पूरी होने देंगे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने मंगलवार को कहा कि अगर संसद से ' 'एक देश, एक चुनाव' बिल पास भी हो जाता है, तो भी 2029 में एक साथ चुनाव कराना संभव नहीं होगा।

चिदंबरम ने क्या कहा?

चिदंबरम ने एक्स पर लिखा ''मैं ओएनओई जेपीसी के सामने अपने विचार रखने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। मैं जेपीसी के सामने पेश किए गए अपने सबूतों का खुलासा करने के लिए स्वतंत्र नहीं हूं, लेकिन मेरे बयान का मुख्य मकसद यह था कि यह बिल संविधान की बुनियादी विशेषताओं, खासकर संघीय देश में संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।''

2029 में एक साथ चुनाव को लेकर क्या कहा?

जेपीसी चेयरमैन के उस बयान पर टिप्पणी करते हुए जिसमें कहा गया था कि 2029 में एक साथ चुनाव हो सकते हैं। चिदंबरम ने कहा, 'मैंने जेपीसी चेयरमैन का वह बयान पढ़ा है जिसमें कहा गया है कि 2029 में एक साथ चुनाव संभव हैं। मुझे लगता है कि उनकी राय गलत है और यह बिल के प्रावधानों के खिलाफ है। अगर बिल पास भी हो जाता है (जिसकी संभावना बहुत कम है), तो बिल के तहत 'तय तारीख' केवल 'आम चुनाव के बाद' की ही तारीख हो सकती है।

खास खबर: 'ओ मोरी बहना, सावन में मिलते रहना, बाग में जी'

सावन के गीतों सा सुकून दे रही सेवन सिस्टर बर्ड्स की चहचाहट

उमेश सिसोदिया

- चंबल के बीहड़ से लेकर गांव के बगीचे तक प्रजनन सीजन में फुदकती हुई दिख रही जंगल बेबलर

बाह। चंबल सेंक्चुअरी की बाह रेंज में प्रजनन सीजन (जुलाई-सितंबर) में जंगल बेबलर की चहचाहट सावन के गीत, मल्हार सा सुकून दे रही है। सिमराई की स्नेह कुमारी, पार्वतीपुरा की संगीता कहती हैं कि ऐसा लगता है कि मानो गा रही हों 'ओ मोरी बहना, सावन में मिलते रहना, बाग में जी'। बीहड़ से लेकर गांव के बाग बगीचे तक फुदकती इन चिड़ियों के दृश्य मंत्रमुग्ध कर देते हैं। आमने-सामने चोंच कर चूं चूं करती हुई ये चिड़ियां आपस में लड़ती हुई सी दिखती हैं। लेकिन ये एक दूसरे का समर्थन कर एकजुटता दिखाती हैं। चिड़ियों की आवाज गीत मल्हार जैसा मिठास घोल देती हैं। भारत, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका में पाई जाने वाली जंगल बेबलर को 7 से अधिक के समूह में रहने की बजह से अंग्रेजों ने सेवन सिस्टर बर्ड्स नाम दिया है। चंबल क्षेत्र में इन्हें सतभैना (सत बहना) नाम से पुकारा जाता है। जंगल बेबलर का वैज्ञानिक नाम आर्ग्या स्ट्रिएटा है। जबकि स्थानीय नाम घेंघा है। चंबल सेंक्चुअरी के रेंजर कुलदीप सहाय पंकज, जैतपुर के रेंजर राजवीर सिंह ने बताया कि प्रजनन सीजन होने की बजह से बेबलर चिड़ियों का बीहड़ से लेकर गांव तक फुदकते हुए दिखना आम बात है। भूरे मटमैली सी रंगत लिए जंगल बेबलर की आंखे पीली होती हैं। आंखों में काले रंग का मोती होता है। शरीर रुई के समान पंख जैसा दिखता है। नर मादा एक से होते हैं। इनकी लंबाई 9 से 24 सेमी तक होती है। कीडे, अनाज और जामुन इनका भोजन होते हैं। कीट पतंगे इन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं।

ये भी हैं चंबल में मौजूद

ग्रे बेबलर- इनका वैज्ञानिक नाम अर्ग्या माल्कोमी है। इनकी पूंछ लंबी, शरीर भूरे रंग का होता है। पंख मलाईदार होते हैं। पंखों पर सफेद धारियां होती हैं।

कॉमन बेबलर- इनका वैज्ञानिक नाम आर्ग्या कॉडाटा है। पूंछ लंबी, पतली, भूरे रंग की होती है, ऊपरी पंख पर धारियां होती हैं। नीचे का भाग बिना धारी वाला हल्के रंग का होता है।

दीवानी में महिला वकील पर फेंका पेपर स्प्रे

- युवक ने विरोधी को भी नहीं छोड़ा, मची अफरा-तफरी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दीवानी में तारीख पर आए युवक ने महिला अधिवक्ता और विपक्षी के भाई पर कोर्ट के बाहर पेपर स्प्रे छिड़क दिया। जिससे अफरातफरी मच गई।

मौके पर मौजूद विशेष सुरक्षा बल और थाना न्यू आगरा पुलिस के जवानों ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। थाना न्यू आगरा पुलिस पूछताछ में लगी है। वकीलों के विरोध के चलते करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस आरोपी को दीवानी से ले जा सकी। थाना रकाबगंज क्षेत्र के बालूगंज निवासी अमित दीक्षित ने बताया कि उनके भाई अवधेश दीक्षित का थाना एत्माद्दौला क्षेत्र के बालाजी नगर निवासी महिला ऊषा देवी से सिविल का मुकदमा चल रहा है। मंगलवार

को वह अपने भाई के साथ सीनियर डिवीजन 6 की कोर्ट में तारीख पर आए थे।

दोपहर 12 बजे वह महिला अधिवक्ता के साथ कोर्ट जा रहे थे। वहां पहले से मौजूद ऊषा देवी के बेटे अजय कुमार ने अमित दीक्षित और महिला अधिवक्ता के चेहरे पर पेपर स्प्रे छिड़क दिया। जिससे कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी होते ही भारी संख्या में अधिवक्ताओं की भीड़ अदालत के बाहर इकट्ठी हो गई। किसी अनहोनी को देखते हुए काफी संख्या में एसएसएफ के जवान व थाना न्यू आगरा की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस के वकीलों को काफी समझाने के बाद भी उनका विरोध शांत नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस कड़ी सुरक्षा में आरोपी को दीवानी से लेकर गई। थानाध्यक्ष न्यू आगरा निशामक त्यागी ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

सरकार ने लिए दनादन दो बड़े फैसले, चीनी के दामों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। देश में चीनी की कीमतों को लेकर आम जनता के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर आई है। पिछले कुछ दिनों से आसमान छू रहे चीनी के दामों पर अब ब्रेक लग गया है। केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों और सख्त फैसलों के बाद चीनी की एक्स-मिल कीमतों में 18 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. इसके साथ ही अब चीनी के दाम घटकर 55 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गए हैं।

दरअसल, खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने पीटीआई को बताया कि आने वाले दिनों में चीनी की दरों में और कमी देखने को मिलेगी। एक्स-मिल प्राइस यानी जिस कीमत पर चीनी मिल किसी थोक व्यापारी को चीनी बेचती है। बता दें पिछले करीब 15 दिनों में देश के चीनी बाजार में अचानक तेजी देखने को मिली थी. चीनी की एक्स-मिल कीमत अपने रिकॉर्ड हाई स्तर 67 रुपये प्रति किलोग्राम तक जा पहुंची। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा का कहना है कि कीमतों में इस अचानक उछाल का मुख्य कारण चीनी मिलों द्वारा मनमाने ढंग से दरों को बढ़ाना था। मिलों की तरफ से दरों में बढ़ोतरी किए जाने के कारण बाजार में अचानक चीनी महंगी हो गई थी, जिसका सीधा असर थोक और खुदरा कीमतों पर पड़ने लगा था।

आगरा में 28 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र, खिले युवाओं के चेहरे

- विधायक चौधरी बाबूलाल और मुख्य विकास अधिकारी ने नवचयनित अभ्यर्थियों को सौंपे पत्र
- पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण मनोयोग से राजकीय कार्यों का निर्वहन करने की दी गई प्रेरणा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में संजय प्लेस स्थित विकास भवन सभागार में मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आगरा जनपद के लिए नवचयनित 28 प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से नवचयनित प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी को नियुक्ति पत्र बांटने के कार्यक्रम का सजीव (लाइव) प्रसारण किया गया।

विकास भवन में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम जनमानस ने इस प्रसारण को पूरे उत्साह के साथ देखा व सुना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फतेहपुर सीकरी के विधायक चौधरी बाबूलाल और मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह विशेष रूप से मौजूद रहीं। उन्होंने अपने हाथों से सभी 28 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उन्हें नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं।

पूरी पारदर्शिता के साथ योग्य युवाओं को रोजगार दे रही योगी सरकार

नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान नवचयनित प्राविधिक सहायकों को संबोधित करते हुए विधायक चौधरी बाबूलाल ने कहा कि हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ योग्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। आज से आप सभी एक नई जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। मेरी आप सभी से यही अपेक्षा है कि पूर्ण मनोयोग और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। आम जनमानस और किसानों की भलाई के लिए राजकीय कार्यों को पूरी ईमानदारी से करें, यही आपकी सच्ची जनसेवा होगी। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक मुकेश कुमार, डीसी एनआरएलएम प्रेमचन्द, उप निदेशक (भू-संरक्षण) आगरा मंडल नीरज रान कटियार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी खगेन्द्र सिंह और जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार सहित कई अन्य अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आरक्षण, यूजीसी और एससी-एसटी एक्ट की हो समीक्षा

खेरागढ़ में राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए तीन ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

तहसील मुख्यालय पर सोमवार को सवर्ण समाज, करनी सेना और बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शन करते हुए तहसील पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम संबोधित अलग अलग ज्ञापन एसडीएम नरेंद्र गंगवार को सौंपकर आरक्षण व्यवस्था, यूजीसी की नीतियों तथा एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न मुद्दों पर पुनर्विचार की मांग उठाई मंगलवार को सैकड़ों सवर्ण समाज के लोगों ने ज्ञापन के माध्यम से आरक्षण व्यवस्था की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक आधार पर समीक्षा कराने, शिक्षा और रोजगार में समान अवसर सुनिश्चित करने तथा एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के कथित दुरुपयोग की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। प्रतिनिधियों ने कहा कि उनकी मांगें संविधान में निहित समानता और न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप हैं इस दौरान करनी सेना के प्रदेश संगठन मंत्री सुभाष सिंह चौहान ने संगठन की ओर से राष्ट्रपति के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई।वहीं बार एसोसिएशन खेरागढ़ की ओर से भी उच्च शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा गया। अधिवक्ताओं ने यूजीसी की नीतियों का विरोध करते हुए उनमें संशोधन और पुनर्विचार की मांग उठाई। उन्होंने ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसफोर्स मौजूद रहा। प्रदर्शन में दीपक उपाध्याय, हरीश त्यागी, विवेक,जीतेश, भगवान शर्मा, एड जोगेंद्र सिंह, एड मनोज तोमर, के-के मित्तल, संजय सिकरवार, संजय बंसल, प्रमोद अग्रवाल, गजेंद्र सिकरवार, दीपेश दुबे, एड इंद्रजीत सिंह, एड हरिओम सिकरवार सहित सैकड़ों युवा मौजूद रहे।

जिंदा महिला की अभिलेखों में बदल दी वारिसी

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

तहसील क्षेत्र में राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में कथित हेराफेरी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गांव रोहता निवासी एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसे जीवित होने के बावजूद सरकारी अभिलेखों में मृत दर्शाकर उसकी जमीन की वारिसी दूसरे लोगों के नाम दर्ज कर दी गई। इतना ही नहीं, संबंधित भूमि पर बैंक से ऋण लिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है।तसदर क्षेत्र के गांव रोहता निवासी गीता देवी पत्नी स्व पुरुषोत्तम ने मामले की जानकारी होने पर तहसीलदार को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह और उनके पति मौजा सरेंडा में गाटा संख्या 1920/23 के स्वामी थे। पति की मृत्यु के बाद उन्होंने और उनके पुत्र ने कई बार वारिसान दर्ज कराने के लिए आवेदन दिए, लेकिन उनके पति की वारिसी दर्ज करने के बजाय उन्हें ही रिकॉर्ड में मृत दर्शा दिया गया।गीता देवी का आरोप है कि उनकी जमीन पर कुछ लोगों ने पहले बैंक से ऋण लिया और बाद में उन्हें मृत दिखाकर देवेश सिंह, धीरज सिंह, पंकज सिंह और विपिन सिंह के नाम वारिसी दर्ज करा दी गई। उन्होंने पूरे प्रकरण में लेखपाल और संबंधित राजस्व निरीक्षक की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब गीता देवी जीवित हैं और खुद तहसील पहुंचकर शिकायत कर रही हैं, तो आखिर सरकारी अभिलेखों में उन्हें मृत किस आधार पर दर्ज किया गया। मामले ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गीता देवी के प्रार्थना पत्र को जांच के लिए तहसीलदार को भेजा गया है। प्रपत्रों की जांच कराकर जो भी आधिकारिक कर्मचारियों की भूमिका पाई जाती है तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी ’

–नरेंद्र गंगवार, एसडीएम खेरागढ़

पुलिस का संवेदनशील इलाकों में पैदल मार्च

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना ट्रांस यमुना पुलिस ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। थाना प्रभारी हरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने क्षेत्र के कई मिश्रित व संवेदनशील इलाकों में सघन भ्रमण किया। इनमें टेढ़ी बगिया, इस्लाम नगर, शाहनगर बंबा, कालिंदी विहार, शाहदरा एवं नारायच शामिल रहे।

अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर

एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। भड़काऊ पोस्ट, अफवाह या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर साइबर सेल के जरिए कड़ी नजर रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की अराजकता या शांति भंग करने का प्रयास करने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दौरान लगातार गश्त जारी रहेगी। ताकि नागरिक भयमुक्त होकर पर्व मना सकें। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से किसी भी भ्रामक खबर या अफवाह पर विश्वास न करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

एड्स के प्रति छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

फतेहाबाद। जनता इंटर कॉलेज फतेहाबाद में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं विद्यालय स्तर पर एड्स संक्रमण एवं बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद से पहुंचीं डॉ.पूजा लोधी ने छात्र-छात्राओं को एड्स के लक्षण, संक्रमण के कारण और बचाव के उपायों की जानकारी दी। डॉ. पूजा लोधी ने बताया कि एड्स के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। उन्होंने बिना सैनिटाइज की गई सूई, ब्लेड के इस्तेमाल, बिना जांचे रक्त चढ़ाने तथा असुरक्षित यौन संबंधों से संक्रमण फैलने की जानकारी दी। साथ ही एड्स से बचाव के लिए सावधानी बरतने और जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य भूपेंद्र प्रताप सिंह ने आगंतुक चिकित्सक एवं उनकी टीम का स्वागत किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं का ज्ञानवर्धन करने के लिए डॉ. पूजा लोधी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र अग्रवाल ने किया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार, कक्षा नौ से 12 तक के छात्र-छात्राएं, स्वयंसेवक, शिक्षक एव विद्यालय का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

मुख्य मार्ग पर जलभराव, ग्रामीण परेशान

शमशाबाद। विकास खंड शमशाबाद के गांव मढ़ी में मुख्य मार्ग पर बारिश का पानी भर जाने से ग्रामीणों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घर के सामने भीषण जलभराव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का घर से निकलना भी दूभर हो गया है। रास्ते और घरों के आसपास पानी जमा होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीण मनोज ने बताया कि रास्ते के पास ही प्राथमिक विद्यालय स्थित है। जलभराव के बीच से होकर स्कूल जाने के दौरान कई बच्चे फिसलकर पानी में गिर जाते हैं, जिससे उनके कपड़े व किताबें खराब हो जाते हैं और चोट लगने का भी डर बना रहता है। ग्रामीण होतीलाल और लालाराम का कहना है कि जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था न होने से हल्की बारिश में ही जलभराव हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की गई है। जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों ग्रामीणों को राहत मिल सके।

एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर अनियंत्रित होकर खाई में पलटा

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के ट्रेलर चालक को नींद की झपकी आने के कारण ट्रेलर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया इस दौरान चालक बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार देशराज यादव पुत्र रामलखन निवासी ग्राम आदमपुर थाना जरवल रोड जिला बहराइच जो सीमेंट कंक्रीट चादर लेकर कोटपुतली राजस्थान से काठमांडू नेपाल जा रहा था। सोमवार सुबह तड़के 5:20 के करीब जैसे ही थाना फतेहाबाद क्षेत्र के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 18.400 पर पहुंचा तो चालक को नींद की झपकी आने के कारण ट्रेलर अनियंत्रित होकर 50 मीटर एमबीसी एवं जाली तोड़ता हुआ खाई में जाकर तिरछा होकर पलट गया। जानकारी पर पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि ट्रेलर चालक को नींद की झपकी आने के ट्रेलर कारण खाई में जाकर तिरछा हो गया। चालक सुरक्षित है। क्रेन की सहायता से ट्रेलर को बाहर निकाला गया।

पालतू कुत्ते का वृद्धा पर जानलेवा हमला

पिनाहट (आगरा)। कस्बा पिनाहट में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी फैल गई, जब एक बेकाबू पालतू कुत्ते ने 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर जानलेवा हमला बोल दिया। कुत्ते ने महिला को जमीन पर पटककर सिर और पीठ पर नुकीले दांतों से कई गहरे घाव कर दिए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद वृद्धा की जान बचाई। गंभीर हालत में उन्हें सीएचसी पिनाहट से आगरा रेफर किया गया है। मोहल्ला पूरनपुरा निवासी भगवान देवी (60) मंगलवार सुबह करीब 8 बजे घर से मंदिर के महंत को दूध देने जा रही थीं। रास्ते में पड़ोसी के पालतू कुत्ते ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में वृद्धा के सिर, पीठ और हाथों में गंभीर घाव हो गए और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ीं। आसपास मौजूद लोगों ने लाठी-डंडों से कुत्ते को खदेड़ा और घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिनाहट पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल आगरा रेफर कर दिया। परिजनों ने थाने में तहरीर देकर पालतू कुत्ते के मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अहमः रोहित कुमार

आरएसएस ने किया युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

मंगलवार को कस्बा फतेहाबाद के बीडीएम कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेंद्र पाल सिंह ने की।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे संघ के आगरा विभाग प्रचारक रोहित कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं, जिनमें अपार ऊर्जा, सामर्थ्य और नई सोच होती है। उन्होंने युवाओं से इस ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने और शिक्षा, संस्कार, अनुशासन तथा सामाजिक जिम्मेदारी को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। विभाग प्रचारक रोहित कुमार ने आगे कहा कि आज के युवाओं को व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता, सेवा, स्वावलंबन और चरित्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। युवाओं को सोशल मीडिया के सही और संतुलित उपयोग को लेकर भी जागरूक किया गया। कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम है, लेकिन इसका उपयोग ज्ञान संवर्धन, सकारात्मक विचारों के प्रसार और समाज निर्माण के लिए होना चाहिए। युवाओं को अफवाहों, नकारात्मकता और समय की बबार्दी से बचते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल देश और समाज के उत्थान के लिए करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान युवा संवाद की अवधारणा पर चर्चा की और युवाओं की जिज्ञासाओं, विचारों तथा सामाजिक विचारों पर सीधे बातचीत की। इस अवसर पर श्रीभगवान कसेरे, जिला प्रचारक कुलदीप कुमार, दिव्यांशु, आनंद शर्मा, संजय शर्मा, नितिन शर्मा, अनिल गुर्जर, घनश्याम धाकरे, वासुदेव वर्मा सहित आदि मौजूद रहे।

दरोगा का ऑडियो वायरल, निलंबित

आगरा। थाना फतेहाबाद क्षेत्र में हुई गोली कांड में दरोगा के द्वारा पैसे मांगे जाने का ऑडियो वायरल हो रहा है। डीसीपी के आदेश पर दरोगा को निलंबित किया गया। एसीपी फतेहाबाद को विभागीय जांच सहित विस्तृत जांच के आदेश दिए गए। थाना फतेहाबाद क्षेत्र में हुई गोलीकांड में दरोगा के द्वारा एक व्यक्ति से व्हाट्सएप पर बातचीत की जा रही है। जिसमें व्यक्ति के द्वारा मदद करने के लिए दरोगा से कहा गया है। इसके आगे दरोगा के द्वारा संबंधित व्यक्ति से पैसे की मांग की गई है जिसका ऑडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जिसकी जानकारी होने पर डीसीपी पूर्वी जोन अभिषेक अग्रवाल के द्वारा संबंधित दरोगा को निलंबित करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त फतेहाबाद इमरान अहमद को विभागीय कार्रवाई सहित विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं ऑडियो वायरल होने के बाद थाना फतेहाबाद में हड़कंप मच गया है। डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि ऑडियो के आधार पर थाना फतेहाबाद के उपनिरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

एसएन मेडिकल कॉलेज में एचआईवी परीक्षण के लिए कार्यशाला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एसएन मेडिकल कॉलेज के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग स्थित राज्य संदर्भ प्रयोगशाला में एचआईवी परीक्षण केंद्रों से जुड़े स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में आगरा, मथुरा, हाथरस, मैनपुरी और फिरोजाबाद के 25 एचआईवी परामर्श एवं जांच केंद्रों के प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यशाला का शुभारंभ उप-प्राचार्य डॉ. टी.पी. सिंह, एसआईसी डॉ. जी.वी. सिंह और विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर गोयल ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि एचआईवी कार्यक्रम के तहत गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में इस तरह के प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य संदर्भ प्रयोगशाला की प्रभारी अधिकारी डॉ. आरती अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को भंडार प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला, सोच पोर्टल और अभिलेख संधारण में दक्ष बनाना है। कार्यशाला में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधक अखिलेश सिंह ने सोच पोर्टल के प्रभावी उपयोग, डिजिटल अभिलेखन और रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। वहीं डॉ. नीतू चौहान और डॉ. प्रज्ञा शाक्य ने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत सामग्री की प्राप्ति, भंडारण, वितरण और भौतिक सत्यापन से जुड़े मानकों के बारे में प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों को एचआईवी परीक्षण केंद्रों पर उपलब्ध जांच किट और अन्य उपभोग्य सामग्रियों के स्टॉक का सही अभिलेख रखने, भौतिक सत्यापन, सटीक गणना और समय पर मांग भेजने की प्रक्रिया भी समझाई गई। विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल निगरानी, पारदर्शी अभिलेख और बेहतर भंडार प्रबंधन एचआईवी सेवाओं की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और पारदर्शिता बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य केंद्रों पर सेवाओं को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाना रहा।

राष्ट्र निर्माण में युवा मुख्य आधारः तपन कुमार

टीएनएफ टुडे, शमशाबाद।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख आदरणीय तपन कुमार ने मंगलवार को जीआर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज में "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय पर युवाओं और छात्रों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं और युवा उपस्थित रहे।

अपने मुख्य उद्बोधन में तपन कुमार ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी युवा पीढ़ी का चरित्र कैसा है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे केवल अधिकारों की बात न करें, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को भी समझें। उन्होंने कहा कि जब देश का प्रत्येक युवा राष्ट्रीय चरित्र को अपनाएगा, तभी भारत वैश्विक मंच पर 'विश्व गुरु' के रूप में अपनी पहचान पुनः स्थापित कर सकेगा। वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को भारत-केंद्रित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे युवाओं में अपनी संस्कृति और इतिहास के प्रति गर्व का भाव जागृत होगा। उन्होंने सामाजिक समरसता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि युवाओं को जातिवाद और भेदभाव की संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर संपूर्ण समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए आगे आना होगा। प्राचीन काल से ही भारत ने पूरे विश्व को ज्ञान, विज्ञान, अध्यात्म और जीवन जीने की कला का मार्ग दिखाया है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने छात्रों के सवालों के जवाब दिए और बदलते डिजिटल युग में अपनी राष्ट्रवादी सोच व संस्कारों को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. स्वाति पाठक ने की। इस दौरान संघ के स्थानीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

बिजली चोरी रोकने को छापेमारी, 12 पर मुकदमा

फतेहाबाद। कस्बे में बिजली चोरी पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन और विद्युत विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार तड़के बिजली चोरी रोकने के प्रभारी बनाए गए एसडीएम अभिषेक गोस्वामी के नेतृत्व में हाई पोटेंशियल लॉस वाले क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया गया। अचानक हुई इस छापेमारी से बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान टीम ने विभिन्न घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बिजली कनेक्शन और मीटरों की से जांच की। इस दौरान 12 उपभोक्ता सीधे मीटर को बाईपास कर अवैध रूप से बिजली चोरी करते पकड़े गए। विभाग ने सभी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विद्युत अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। विद्युत उपखंड अधिकारी गौरव राजपूत ने बताया कि क्षेत्र में बिजली चोरी की शिकायतें मिल रही थी मंगलवार को तड़के चेकिंग के दौरान 12 उपभोक्ता चोरी करते हुए पाए गए जिन पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। बिजली चोरी रोकने को अभियान जारी रहेगा। टीम में उपखंड अधिकारी धिमिश्री राजेश सिंह,अवर अभियंता फतेहाबाद दीपक कुमार, रमेश बाबू, उपनिरीक्षक सुमित यादव सहित विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

बाइक समेत सड़क पर घिसटे 5 सवार

बाह। खांद फरैरा मार्ग पर बिजकौली के पास मंगलवार शाम 7 बजे कुत्ते से बाइक टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद बाइक समेत सवार करीब 10 मीटर तक घिसटते चले गये। चीख पुकार मचने पर जुटे राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को बाह सीएचसी पर भर्ती कराया। अस्पताल में परिजन भी पहुंच गये। जरार की खुशबू ने बताया कि वह अपने देवर दीपक, बेटी राधिका (5), अनन्या (1), ननद गुंजन (6) के साथ मायके बटेश्वर में भंडारे में शामिल होने को गई थी। शाम को वापस लौटते समय बिजकौली गांव के पास बाइक सड़क पर आए कुत्ते से टकरा गई थी। जिससे सभी सड़क पर घिसट कर घायल हो गये। घायल दीपक को एसएन मेडीकल कॉलेज आगरा के लिए रेफर किया गया है। वहीं दूसरा हादसा नरहोली के पास हुआ। 2 बाइकों की टक्कर में अम्बाह मुरैना के जलनो का नगला गांव के समीर, रक्षा, देवपुरा के रिंकू तथा अशोक नगर के अजय घायल हो गये। घायलों को इलाज के लिए बाह सीएचसी पर भर्ती कराया गया। जहां से 2 को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

तालाब में अजगर, घर में कोबरा निकला

बाह। जैतपुर के नावली गांव के तालाब के किनारे पर विशालकाय अजगर की दहशत फैल गई। बस्ती के नजदीक होने की बजह से डरे ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। रेस्क्यू के लिए वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। लेकिन कीचड़ की बजह से अजगर को रेस्क्यू करने में वन विभाग की टीम असफल रही। जैतपुर के नयेपुरा गांव में मंगलवार की दोपहर रामबाबू के घर में कोबरा दिखने पर अफरा तफरी मच गई। जैतपुर के रेंजर राजवीर सिंह सेंगर ने बताया कि कोबरा की सूचना पर वन विभाग की टीम रेस्क्यू के लिए मौके पर गई थी। कोबरा को रेस्क्यू कर नंदगवा वन ब्लॉक में सुरक्षित छोड़ा गया है।

बाइक तोड़ने के विरोध पर युवक को पीटा

बाह। बाइक तोड़ने के विरोध पर युवक को पीटे जाने का मामला सामने आया है। विश्नुपुरा के सुम्मेर सिंह ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को उसकी बाइक शराब के नशे में गांव के ही युवकों ने तोड़ दी थी। जब उसने बाइक तोड़ने का विरोध किया तो उसको थप्पड़ जड़ दिया। इतने पर भी नहीं माने, जमीन पर पटक कर लात, घूसे, लाठी, चाकू से हमला कर दिया। चीख पुकार पर गांव के लोग आए तो हमलावर जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने घायल का मेडीकल कराया है। मेडीकल रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पंचायत सहायकों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बाह। स्थायीकरण एवं मानदेय बढ़ाने एवं महिलाओं को मातृत्व अवकाश दिए जाने की मांग को लेकर पंचायत सहायक आंदोलन की राह पर हैं। 7 सितंबर को लखनऊ के ईको गार्डन में प्रस्तावित धरना प्रदर्शन से पहले प्रतिकूल कार्यवाही से बचने के लिए बाह में मंगलवार को बीडीओ नीरज तिवारी को ज्ञापन सौंपा गया है। धरना प्रदर्शन लंबा खिंचने पर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी गई है। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन ने जिला पंचायतराज अधिकारी को संबोधित ज्ञापन में कहा है कि पंचायत सहायक शासन और विभाग की विभिन्न ऑनलाइन डिजिटल एवं प्रशासनिक कार्यो का निर्वहन कर रहे हैं। पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ा कर पंचायत सचिव के समकक्ष 30 हजार रुपये प्रति माह किए जाने, संविदा समाप्त कर स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने, महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा दिए जाने, स्थानांतरण और समायोजन नीति लागू किए जाने, कार्य और अनुभव के आधार पर ग्राम विकास अधिकारी के पद पर 50 फीसदी आरक्षण लागू कर नियुक्त किए जाने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष नवल मोहनिया, श्याम सिंह, मदन गोपाल, चमन कुमार, रामवीर, प्रवीन, बालकिशन, प्रियंका, आरती, निशा आदि रहे।

पानी भरे रास्ते में महिला को सांप ने डसा

बाह। जैतपुर के नगला इमली गांव में पानी भरे रास्ते पर महिला को सांप ने डस लिया। नगला इमली गांव में सोमवार शाम 4 बजे मकरन सिंह की पत्नी सुनीता देवी पानी भरे रास्ते से घूरे पर गोबर डाल कर घर लौट रही थी। तभी रास्ते में छिपे बैठे सांप ने पैर की अंगुली में डस लिया। सर्पदंश से लड़खड़ाई सुनीता देवी गली में गिर गई। चीख पर पहुंची बेटी लक्ष्मी ने सहारा देकर उठाया और आनन फानन में परिजनों ने इलाज के लिए जैतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती कराया। अस्पताल में सुनीता देवी को चिकित्सीय देखरेख में रखा गया। उपचार के दौरान हालत में सुधार होने पर उसे घर भेज दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से अवर अभियंता की मौत

सैंया। आगरा-झांसी रेलवे ट्रैक पर मंगलवार शाम ट्रेन की चपेट में आने से रेलवे के एफएमआई विभाग में तैनात अवर अभियंता (जेई) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में उनके दोनों पैर धड़ से अलग हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सैंया पहुंचाया। जहां से उन्हें गंभीर हालत में एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा के लिए रेफर कर दिया गया। वहां देरशाम उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मनोज सैनी रेलवे के एफएमआई विभाग में अवर अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे जाजऊ रेलवे स्टेशन के पास उन्होंने ब्लॉक लेकर मशीन से नीचे उतरकर डाउन ट्रैक पर पैदल निरीक्षण शुरू किया था। इसी दौरान भाड़ई की ओर से आ रही ट्रेन की चपेट में आने से मनोज सैनी के दोनों पैर धड़ से अलग हो गए। ट्रैक के पास काम कर रहे अन्य रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और घायल अवर अभियंता को तत्काल सीएचसी सैंया लेकर गई। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा रेफर कर दिया। देरशाम वहां उनकी मौत हो गई।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख हरिओम सिंह जुरेल का जन्मदिन मनाया

एत्मादपुर। खंदोली के पूर्व ब्लॉक प्रमुख, आगरा जिला पंचायत के पूर्व सदस्य और राजस्थान खाद्य एवं रसद विभाग के निदेशक हरिओम सिंह जुरेल का जन्मदिवस उनके पेत खेड़ा स्थित फॉर्म हाउस पर बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस खास मौके पर उन्हें बधाई देने के लिए सुबह से ही क्षेत्र के गणमान्य लोगों और सर्वसमाज के नागरिकों का तांता लगा रहा।सुबह 9:00 बजे से ही जाट समाज के वरिष्ठ नेता हरिओम जुरेल को शुभकामनाएं देने वालों की भारी भीड़ जुटने लगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आगरा के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल और एफ.एच. मेडिकल कॉलेज के मैनेजर तरुण चौहान। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से खाण्डा प्रधान रिंकू यादव, गिर्राज नोहवार, करन जुरेल, सेमरा प्रधान संदीप दिवाकर, गोरु चौधरी और ब्रजेश चौधरी समेत हजारों की संख्या में समर्थक, ग्रामीण और क्षेत्र के प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर लगते हैं भुजरियों के मेले

आदर्श नन्दन गुप्ता

■ शहर के अलग-अलग स्थानों पर देखने को मिलती है सांस्कृतिक झलक

आगरा। रिमझिम-रिमझिम बरसती बूंदें, ठंडी हवा के झोंके, गीत मल्हारों के बीच झूलों पर पैंग बढ़ाकर आसमान को छू लेने की ललक...। भले ही यह माहौल अब नहीं दिखता, लेकिन मस्ती अभी भी जिंदा है। सावन के मेलों में उमड़ता सैलाब आज भी संदेश देता है कि हमारे शहर में भले ही जगह सिमटती जा रही है। झूलों के लिए जगह नहीं हो, लेकिन उल्लास में कमी नहीं आ रही है, रूप-स्वरूप में अवश्य बदलाव आ गया है।

वरिष्ठ पत्रकार आदर्श नंदन गुप्ता का कहना है कि आगरा भगवान शिव की नगरी है। यहां भगवान शंकर के चार कोनों पर चार शिवालय कैलाश महादेव मंदिर, बल्केश्वर महादेव मंदिर, राजेश्वर महादेव मंदिर, पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर हैं। इन मंदिरों पर अलग अलग सोमवारों को मेले लगते हैं।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर और रावली महादेव मंदिर पर तो पूरे सावन में मेले जैसा माहौल होता हैं। हरियाली तीज पर भी मेले लगते हैं।

भुजरियों का मेला यमुना के घाटों पर शताब्दियों से रक्षाबंधन पर्व पर होता आ रहा है। मिट्टी के पात्रों में रक्षाबंधन से एक सप्ताह पूर्व गेंहू की बालियों को बोया जाता है। रक्षाबंधन पर्व की संध्या पर घर की बहन-बेटियों के द्वारा भुजरियों के पात्रों को यमुना में प्रवाहित कर दिया जाता है। भुजरियों के यह मेला जीवनी मण्डी पर विशेष रूप से होता है। अन्य घाटों पर भी मेला जैसा माहौल रहता है। इसके अलावा जगदीशपुरा, बोदला, बिचपुरी में मेला होता है।

पचकुइयां चौराहा पर क्षेत्रीय बाजार कमेटी द्वारा दो दिवसीय मेले का आयोजन होता है, जिसमें काफी भीड़ उमड़ पड़ती है। इसमें मुनेंद्र जादौन का विशेष योगदान रहता है। ये मेले आज भी परस्पर सद्भावना का संदेश दे रहे हैं। भारतीय संस्कृति और परंपराओं का भी संरक्षण कर रहे हैं।

स्कूलों में बहनों ने बुनी राखियां और भाई को बांधीं

बाह। रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के प्रेम, विश्वास, स्नेह और अटूट रिश्ते का उत्सव है। मंगलवार को बाह क्षेत्र के स्कूलों में छात्राओं ने धागों से आकर्षक राखियां बुनी, छात्रों की कलाई पर बांधी भी। मंगदपुर के जूनियर हाईस्कूल में राखी बनाने की प्रतियोगिता में छात्राओं ने धागे, मोती एवं फूलों से राखियां बनाई। प्रतियोगिता में कल्पना एवं छाया प्रथम, जान्हवी एवं दुर्गेश्वरी द्वितीय, भावना, दीक्षा एवं पूजा तृतीय स्थान पर रही। शिक्षिकाओं रीता भदौरिया, ममता श्रीवास्तव ने विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। वहीं धोबई के प्राथमिक विद्यालय में शिवाली, डौली, तन्वी, रंजना, चांदनी, जिया ने राखी बनाकर अपने साथी छात्रों की कलाई पर बांध कर रक्षाबंधन के त्यौहार को मनाया। प्रधानाध्यापिका तरन्नुम ने छात्र-छात्राओं के राखी प्रेम की सराहना कर उन्हें पुरस्कृत किया।

रक्षाबंधन-जन्माष्टमी पर रात 11 बजे तक खुलेंगे बाजार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

■ पार्किंग और अतिक्रमण को लेकर डीएम ने दिए कड़े निर्देश
■ व्यापार बंधु की बैठक में व्यापारियों की समस्या निपटाने के आदेश

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला व्यापार बंधु समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा जिन बिंदुओं पर कार्य पूर्ण हो चुका था, उन्हें एजेंडा से बाहर करने के निर्देश दिए गए।

व्यापार मंडल द्वारा प्रमुख रूप से तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें आगामी त्योहारों (रक्षाबंधन व जन्माष्टमी) पर बाजारों को रात 11 बजे तक खुला रखने, दरेसी नंबर 1 पर रेलवे गेट नंबर 2 को खुलवाने तथा सुभाष बाजार हादसे के 42 दिन बीत जाने के बाद भी छज्जे का निर्माण न होने व पीड़ित दुकानदारों को नगर निगम द्वारा वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। जिलाधिकारी ने त्योहारों पर रात्रि 11 बजे तक दुकानें खोलने की अनुमति पर सहमति प्रदान की।

शहर की 10 प्रस्तावित पार्किंग में से 3 की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी। 1 पर जल्द सहमति बनेगी तथा शेष पर कार्य जारी है। संजय प्लेस पार्किंग को लेकर दुकानदारों को भी व्यवस्था में सहयोग करने को कहा गया। नामनेर से ईदगाह बस स्टैंड तक अतिक्रमण हटाने के बाद दोबारा कब्जा न हो, इसके लिए एसीपी को पुलिस निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुरानी मंडी से शाहजहां पार्क तक डिवाइडर निर्माण के संबंध में एसीपी ट्रैफिक से रिपोर्ट तलब की गई। हींग की मंडी में जनहित को देखते हुए नगर निगम को स्वयं शौचालय निर्माण कराने के निर्देश दिए गए। भावना एस्टेट पर लगे अवैध होर्डिंग हटाने के निर्देश एडीए को दिए गए। बोदला-बिचपुरी से लोहामंडी मार्ग के बीच आ रहे डीवीवीएनएल के खंभों को किनारे शिफ्ट करने के निर्देश जारी किए गए। बैठक में उपस्थिति बैठक में एडीएम सिटी यमुनाधर, एडीएम (वित्त/राजस्व) संदीप कुमार वर्मा, अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार, डीसी एम.के. सिंह, एडीए से नरेंद्र कुमार, एसीपी ट्रैफिक अमित कुमार सिंह, टोरेंट पावर से विमर्श पंडित उपस्थित रहे। व्यापार मंडल की ओर से टी.एन. अग्रवाल, जय पुरसनानी, कन्हैया लाल राठौड़, राजीव गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को साइबर फ्रॉड से किया सावधान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पुलिस कमिश्नर आगरा के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत ताज सुरक्षा पुलिस द्वारा लगातार छात्र-छात्राओं और पर्यटकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना ताज सुरक्षा की त्वरित प्रतिक्रिया दल ने राजीव इंटरनेशनल स्कूल, मथुरा और एनसीसी समूह, केरल से आए छात्र-छात्राओं के दल का स्वागत किया। पुलिस टीम ने उन्हें साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी से बचाव के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी। पुलिस ने छात्र-छात्राओं को बताया कि साइबर अपराधी विभिन्न तरीकों से लोगों को डराकर या लालच देकर ठगी का शिकार बनाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी से बचने के लिए किसी भी अनजान व्यक्ति के दबाव में आकर पैसे ट्रांसफर न करने और संदिग्ध कॉल या लिंक से सावधान रहने की अपील की गई। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा साइबर क्राइम पोर्टल के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही ताजमहल परिसर और पर्यटकों की सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी भी साझा की गई। ताज सुरक्षा पुलिस ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक रहें और अपने परिवार तथा मित्रों को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करें। इस दौरान पुलिस टीम में उप निरीक्षक पंकज सिंह पटेल, आरक्षी गौरव और महिला आरक्षी सुलेखा मौजूद रहीं।

कान्हा रेजिडेंसी बोदला में पधारे बाबा महाकाल

आगरा। श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार की पावन बेला पर प्राचीन हनुमान मंदिर कान्हा जी रेजिडेंसी, बोदला में बाबा महाकाल की झांकी सजाई गई। समस्त दर्शनार्थियों ने दर्शन कर पुण्य प्राप्त किया। मंदिर महंत पंडित मनीष शास्त्री एवं गंगा प्रेस संचालक राजेश शर्मा प्रलयंकर के संचालन में सावन के सभी सोमवार पर सभी भक्तों के सहयोग से बाबा का अलग-अलग श्रृंगार किया गया। समस्त भक्तों ने दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

पुलिस अलर्ट, जुलूस मार्गों पर कड़ी सुरक्षा

आगरा। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में बारावफात पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आगरा पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जुलूसों के निर्धारित मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस उपायुक्त नगर सैय्यद अली अब्बाज ने बताया कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जुलूस आयोजकों और आमजन को निर्धारित मानकों के अनुरूप डीजे की ध्वनि रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही ऐसी किसी भी गतिविधि से बचने की अपील की गई है, जिससे शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। आगरा पुलिस ने लोगों से आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारा बनाए रखने तथा पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। पर्व को लेकर संवेदनशील क्षेत्रों और जुलूस मार्गों पर पुलिस की सतत निगरानी जारी रहेगी।

एएनटीएफ यूनिट ने 104 किलो गांजा बरामद किया

आगरा। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कानपुर एएनटीएफ यूनिट ने आगरा में बड़ी कार्रवाई करते हुए 104.17 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। यह कार्रवाई सिकंदरा थाना क्षेत्र के अरसैना में की गई। कार्रवाई के दौरान एएनटीएफ टीम ने हरीश कुमार और छपवराम यादव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि बरामद गांजे की खेप को शारदा यूनिवर्सिटी के पास सप्लाई किए जाने की तैयारी थी। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के दौरान स्विफ्ट कार सवार दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस और एएनटीएफ टीम जुटी हुई है। इस बड़ी कार्रवाई में आगरा एएनटीएफ यूनिट ने भी सहयोग किया। बरामद गांजे को कब्जे में लेकर गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब मादक पदार्थों की इस खेप से जुड़े नेटवर्क और फरार आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है

सैयद मुजफ्फर अली शाह का दो दिवसीय उर्स संपन्न

आगरा। महालक्ष्मी सिनेमा बास दरवाजा स्थित पंजा शाही मदरसा दरगाह पर उर्स मुबारक के दूसरे दिन कुल शरीफ की रस्म अदा के साथ हजरत सैयद मुजफ्फर अली शाह कादरी चिश्ती निजामी जाफरी नियाजी का उर्स मुबारक संपन्न हो गया। दरगाह के सज्जादा नाशी हजरत सैयद मोहम्मद अजमल अली शाह कादरी चिश्ती जाफरी नियाजी ने उर्स मुबारक की सभी रस्मों को संपन्न कराया। बाद नमाज असर दरगाह पर कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। रंग की महफिल भी की गई। बरेली शरीफ रामपुर दिल्ली आगरा के कव्वालों ने हजरत सैयद मुजफ्फर अली शाह की शान में अपने अपने कलाम पेश कर हाजिरी लगाई। असताना ए मेकाश खानकाह कादरिया चिश्तिया नियाजिया मेवा कटरा पर बाद नमाज मगरिब लंगर तकसीम किया गया। उर्स मुबारक में आए हुए सभी मुरीदन से सज्जादानशीं हजरत सैयद मोहम्मद अजमल अली शाह ने कहा कि वली अल्लाह के उर्स मुबारक के कुल शरीफ में मौला अली से लेकर सभी अल्लाह के वाली आते हैं। इसलिए वालियों के कुल शरीफ में अपनी हाजिरी देनी चाहिए। उर्स मुबारक की व्यवस्था संभालने वालों में आमिर नियाजी, जाहिद हुसैन, फरमान खान, हाजी इलियास, अख्तर वारसी, सनी शादाब, बबलू, अनस आदि लोग शामिल रहे।

सफाई कर्मचारियों का अनशन तीसरे दिन भी जारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

■ 9 सूत्रीय मांगों पर सुनवाई न होने से वाल्मीकि समाज में आक्रोश

नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की 9 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर एमजी रोड स्थित ऐतिहासिक वाल्मीकि मंदिर में कर्मचारी नेताओं का आमरण अनशन तीसरे दिन भी पूरी मजबूती के साथ जारी रहा। तीन दिन बीत जाने के बावजूद नगर निगम और जिला प्रशासन के किसी भी सक्षम अधिकारी द्वारा अनशनकारियों से वार्ता न करने के कारण सफाई कर्मचारियों एवं समूचे वाल्मीकि समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। अनशन पर बैठे कर्मचारी नेताओं ने प्रशासन की हठधर्मिता और संवेदनहीनता पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कर्मचारियों की वाजिब मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है।

नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जिला प्रशासन व नगर निगम अधिकारियों ने जल्द ही मांगों का संज्ञान लेकर सकारात्मक वार्ता नहीं की, तो यह अनशन अनिश्चितकालीन हड़ताल और सड़कों पर उतरकर बड़े जनांदोलन में तब्दील हो जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। विभिन्न संगठनों का मिला समर्थन तीसरे दिन अनशन स्थल पर पहुंचकर प्रमुख कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपना खुला समर्थन व्यक्त किया। मौके पर सिकंदर सिंह वाल्मीकि (प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश नगर निगम जलकर विभाग कर्मचारी संघ), अमन खरे (प्रदेश प्रभारी, रॉयल वाल्मीकि), प्रकाश सिंह साहू, राकेश साहू, सुरेश चंद सोनी आदि मौजूद रहे।

सड़कों की मरम्मत के लिए अपर नगर आयुक्त को ज्ञापन

आगरा। नामनेर बाजार कमेटी (रजि) के अध्यक्ष ब्रजेश पंडित ने शिशिर कुमार, अपर नगर आयुक्त से नामनेर जन्माष्टमी महोत्सव के संदर्भ में भेंट की। उन्हें अवगत कराया कि 49वां नामनेर जन्माष्टमी महोत्सव आगामी 4,5,6 सितंबर को मनाया जाएगा। जिसमें हजारों की संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं का मेला क्षेत्र में आगमन होगा। समूचे मेला क्षेत्र में सड़कों की स्तिथि अत्यंत जर्जर, जगह-जगह गड्ढे हैं। वर्षा होने के कारण कीचड़ होने की भी संभावना है। ऐसे में मेले से पूर्व सड़क निर्माण की सख्त आवश्यकता है। इस पर अपर नगर आयुक्त द्वारा तुरंत समाधान का आश्वासन दिया। ब्रजेश पंडित ने बताया कि आगामी 4 एवं 5 सितंबर को समूचे नामनेर क्षेत्र में आकर्षक विद्युत सजावट, विभिन्न मंचो पर स्वचालित धार्मिक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। 5 सितंबर को सांयकाल में कन्हैय्या जी को डोले में नगर भ्रमण कराया जाएगा। 6 सितंबर को प्रातः कन्हैया जी की छटी पूजकर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से उत्साहपूर्वक 16 कलाओं के अवतार योगिराज कृष्ण के इस प्राचीन जन्मउत्सव में सहभागिता करने की अपील की है।

गुरु ग्रंथ साहिब के संपूर्णता दिवस पर सजेगा कीर्तन दरबार

गुरुद्वारा दशमेश दरबार में 30 अगस्त को होगा विशेष कीर्तन समागम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

गुरुद्वारा दशमेश दरबार, विभव नगर, शहीद नगर में गुरु ग्रंथ साहिब जी के संपूर्णता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। प्रधान हरपाल सिंह एवं प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने बताया कि 30 अगस्त रविवार को प्रातः 9 बजे से गुरुद्वारा साहिब में विशेष कीर्तन दरबार सजेगा। इस अवसर पर हजूरी रागी भाई हरजिंदर सिंह वीर गुरशरण सिंह द्वारा गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से साध-संगत को गुरु चरणों से जोड़ने का संदेश दिया जाएगा। गुरुद्वारा परिसर में गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन हजूरी में संगत श्रद्धा और भक्ति के साथ कीर्तन का आनंद लेगी। बैठक में प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम की तैयारियों, संगत की सुविधा तथा सेवा व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रबंधक कमेटी ने समस्त साध-संगत से अपील की है कि 30 अगस्त को प्रातः गुरुद्वारा दशमेश दरबार, विभव नगर, शहीद नगर पहुंचकर विशेष कीर्तन दरबार में शामिल हों और गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें। कमेटी की ओर से संगत से समय पर पहुंचकर गुरबाणी कीर्तन का श्रवण करने तथा गुरु घर की सेवा में सहभागी बनने का आह्वान किया गया। बैठक में प्रधान हरपाल सिंह, राजू सलूजा, मलकीत सिंह, श्याम भोजवानी, गुरेंदर सिंह ओबरोय, सुरेंद्र सिंह लवली, इन्दरजीत सिंह वाधवा, सुरेन्दर सिंह लाडी, मंशा सिंह, मनदीप सिंह, कृपाल सिंह, सनी सिंह आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के निर्देशन में मंगलवार को बलूनी पब्लिक स्कूल एण्ड कॉम्पिटिशन, खासपुर, दयालबाग में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों, निःशुल्क विधिक सहायता, बाल अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी कानूनों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न विधिक सहायता एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की विधिक समस्या होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त की जा सकती है। शिविर के दौरान अरुण दीक्षित, वरिष्ठ विद्वान अधिवक्ता, स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. सौम्यथ, डॉ. पूजा कुलश्रेष्ठ एवं डॉ. ममता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक विनीत बालूनी, प्रधानाचार्या अमृता यादव सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

सवर्ण समाज न्याय मंच की बैठक

आगरा। सवर्ण समाज न्याय मंच के नेतृत्व में विधानसभा फतेहाबाद के ग्राम कोलारा कलां में सवर्ण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व प्रधान राकेश सिकरवार के नेतृत्व में आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह परमार ने किया। बैठक में सवर्ण समाज के विभिन्न सामाजिक एवं जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। समाज को संगठित एवं जागरूक करने का आह्वान किया गया। क्षत्रिय सभा जिला आगरा के जिलाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि सवर्ण समाज अपने अधिकारों और न्यायसंगत मांगों को लेकर पूरी तरह जागरूक और संगठित हो। उन्होंने कहा कि समाज की पूर्व निर्धारित प्रमुख सात मांगों को लेकर चरणबद्ध तरीके से जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि सवर्ण समाज की न्यायसंगत मांगों पर सरकार द्वारा सकारात्मक पहल नहीं की जाती है तो गांव-गांव जाकर समाज को जागरूक किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि सवर्ण समाज किसी के अधिकारों का विरोध नहीं करता, बल्कि समानता, न्याय और योग्यता के आधार पर व्यवस्था की मांग करता है।

मंडल स्तरीय रेरा संवाद कार्यक्रम कल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप वर्मा ने अवगत कराया है कि भूझसम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के द्वारा गृह क्रेताओं रियल एस्टेट प्रोमोटर्स एवं अन्य स्टेक होल्डर्स को जागरूक करने तथा रियल स्टेट सेक्टर से सम्बन्धित विषयों पर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मण्डल स्तरीय संवाद कार्यक्रम आगरा मण्डल के आगरा विकास प्राधिकरण कार्यालय स्थित ई-ब्लॉक के नवीन सभागार कक्ष में 27 अगस्त को अपरान्ह 3:30 बजे होगा। इसमें गृह क्रेताओं रियल एस्टेट प्रोमोटर्स एवं अन्य स्टेक होल्डर्स से सीधें संवाद किया जायेगा।

गृह क्रेताओं की समस्याओं, शिकायतों, परियोजना से जुड़े विषयों और रेरा के प्राविधानों पर चर्चा होगी। नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जायेगी। कार्यक्रम में गृह क्रेताओं को उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं रियल एस्टेट परियोजनाओं से संबंधित विषयों पर संवाद एवं समाधान हेतु प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

'सबका साथ, सबका विकास' और दीर्घकालिक चुनावी रणनीतियों की परीक्षा

भाजपा के लिए यह समय केवल चुनावी रैलियों से पार पाने का नहीं, बल्कि अपनी नीतियों के व्यावहारिक क्रियान्वयन को सुधारने का है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर व्यापक राष्ट्रीय सहमति बनाना, आरक्षण के संवेदनशील मुद्दे पर सामाजिक संतुलन साधना और यूजीसी जैसे संस्थानों के जरिए युवाओं का भरोसा फिर से जीतना ही पार्टी की भविष्य की राह तय करेगा। यदि इन चुनौतियों का समय रहते ठोस और संवेनदशील समाधान नहीं तलाशा गया, तो यह वैचारिक मुद्दे आगामी चुनावों में भाजपा के लिए बड़े राजनीतिक गतिरोध का कारण बन सकते हैं। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत वैचारिक और चुनावी आधिपत्य स्थापित किया है। हालांकि, वर्ष 2026 के राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी के सामने कुछ ऐसी आंतरिक और नीतिगत चुनौतियां उभर कर आई हैं, जो उसके 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे और दीर्घकालिक चुनावी रणनीतियों की कड़ी परीक्षा ले रही हैं। वर्तमान में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' (वन नेशन वन इलेक्शन), 'आरक्षण' की बदलती आंतरिक राजनीति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नीतियों से उपजा जनाक्रोश, भाजपा के लिए त्रिआयामी राजनीतिक चुनौती बनकर उभरे हैं। वैचारिक महत्वाकांक्षा और व्यावहारिक गतिरोधभाजपा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को देश के विकास और चुनावी खर्च को कम करने के लिए एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश करती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर इसके पक्ष में विमर्श बनाने की पुरजोर कोशिश की जा रही है, लेकिन क्षेत्रीय आकांक्षाओं के इस दौर में इसे अमलीजामा पहनाना बेहद जटिल साबित हो रहा है। क्षेत्रीय दलों को लगता है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय विमर्श के सामने उनके स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। कई राज्यों में समय से पहले विधानसभा भंग करने या त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति में संवैधानिक संकट खड़ा होने का डर है। विपक्ष इसे संघीय ढांचे पर प्रहार बताकर जनता के बीच ले जा रहा है, जिससे भाजपा के लिए राज्यों में क्षेत्रीय गठबंधन बचाना और नए समीकरण बनाना मुश्किल हो रहा है।आरक्षण की बिसात और सामाजिक समीकरणआरक्षण का मुद्दा हमेशा से भारतीय राजनीति का सबसे संवेदनशील सिरा रहा है। हाल के दिनों में अनुसूचित जाति (रउ) और अनुसूचित जनजाति (रळ) के भीतर 'कोटा के भीतर कोटा' (उप-वर्गीकरण) और क्रीमी लेयर को लेकर आए न्यायिक फैसलों और नीतिगत बहसों ने भाजपा को धर्मसंकट में डाल दिया है। एक तरफ जहां पार्टी को अपने पारंपरिक उच्च जाति के मतदाताओं को संतुष्ट रखना है, वहीं दूसरी तरफ दलित और पिछड़े वर्ग के उस बड़े वोट बैंक को भी पाले में बनाए रखना है, जिसने पिछले कुछ चुनावों में भाजपा की जीत में बड़ी भूमिका निभाई है। विपक्ष लगातार यह नैरेटिव बनाने में जुटा है कि भाजपा आरक्षण को कमजोर करना चाहती है। इस नैरेटिव की काट खोजना और आंतरिक सामाजिक विरोधाभासों को संभालना पार्टी के संगठनात्मक कौशल की बड़ी परीक्षा है।युवा असंतोष और शिक्षा नीति का मोर्चाइन राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच, यूजीसी (वऋछ) और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (ठळअ) से जुड़े विवादों ने जलती आग में घी का काम किया है। परीक्षाओं के आयोजन में पारदर्शिता की कमी, पेपर लीक के आरोप, और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक नियुक्तियों को लेकर उठते सवाल सीधे देश के युवा वर्ग को प्रभावित कर रहे हैं। यूजीसी द्वारा उच्च शिक्षा के लोकतंत्रीकरण के दावों के बीच, शोधार्थियों की फेलोशिप में देरी और स्वायत्तता के नाम पर बढ़ते निजीकरण के आरोपों ने मध्यवर्गीय परिवारों और युवाओं में एक अदृश्य नाराजगी पैदा की है। युवा मतदाता, जो कभी भाजपा की सोशल मीडिया आर्मी और सबसे मजबूत समर्थक वर्ग का हिस्सा थे, आज रोजगार और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली की मांग को लेकर सड़कों पर या असमंजस में दिखाई दे रहे हैं। भाजपा के लिए यह समय केवल चुनावी रैलियों से पार पाने का नहीं, बल्कि अपनी नीतियों के व्यावहारिक क्रियान्वयन को सुधारने का है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर व्यापक राष्ट्रीय सहमति बनाना, आरक्षण के संवेदनशील मुद्दे पर सामाजिक संतुलन साधना और यूजीसी जैसे संस्थानों के जरिए युवाओं का भरोसा फिर से जीतना ही पार्टी की भविष्य की राह तय करेगा। यदि इन चुनौतियों का समय रहते ठोस और संवेनदशील समाधान नहीं तलाशा गया, तो यह वैचारिक मुद्दे आगामी चुनावों में भाजपा के लिए बड़े राजनीतिक गतिरोध का कारण बन सकते हैं।

आई फोन बड़ा या जीवन बड़ा? मोबाइल की चाह से टूटते परिवार

डॉ. दीपक गोस्वामी

एक आई फोन की कीमत एक लाख रुपये हो सकती है, डेढ़ लाख रुपये हो सकती है या उससे भी अधिक। लेकिन एक पिता के पसीने की कीमत कितनी है? एक मां की ममता की कीमत कितनी है? एक संतान की मुस्कान, एक परिवार का विश्वास और वर्षों से बने रिश्तों की कीमत क्या है?

इन प्रश्नों का उत्तर किसी बाजार में नहीं मिलता। क्योंकि वस्तुओं की कीमत होती है, जीवन का मूल्य होता है।

मुरलीधर वर्षों तक मालवाहक वाहन चलाता रहा। धूप, धूल, बारिश और रातों की सड़कों के बीच उसने अपने जीवन का सुख अपने बेटे के भविष्य के लिए समर्पित कर दिया। उसकी इच्छा थी कि उसका पुत्र वह जीवन जिए, जो वह स्वयं नहीं जी सका। उसने उसे अच्छे विद्यालय में पढ़ाया, उसके सपनों को अपने सपनों से ऊपर रखा।

विद्यालय में पुत्र ने अपने मित्रों के हाथों में महंगे मोबाइल देखे। धीरे-धीरे मोबाइल आवश्यकता से बढ़कर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। उसके मन में प्रश्न उठा–'जब दूसरों के पास है तो मेरे पास क्यों नहीं?'

पिता ने अपनी सामर्थ्य से आगे बढ़कर किस्त पर आई फोन खरीद दिया। मोबाइल घर आया, लेकिन उसके साथ किस्त, आर्थिक दबाव, तनाव, अपेक्षाएं और विवाद भी घर में प्रवेश कर गए। अंततः एक परिवार की त्रासदी ने यह प्रश्न हमारे सामने खड़ा कर दिया–क्या एक वस्तु इतनी बड़ी हो सकती है कि उसके सामने जीवन छोटा पड़ जाए?

यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं है। यह उस मानसिकता का आईना है जिसमें आज अनेक परिवार अनजाने में फंसते जा रहे हैं। सबसे पहला जाल है तुलना का जाल। आज बच्चे केवल यह नहीं देखते कि उनके पास क्या है; वे यह देखते हैं कि दूसरों के पास उनसे अधिक क्या है। मित्र के पास महंगा मोबाइल है तो अपना साधारण मोबाइल छोटा लगने लगता है। किसी के पास नवीनतम उपकरण है तो पुराना उपकरण अपमान जैसा महसूस होने लगता है।

समस्या मोबाइल में नहीं, उस मानसिकता में है जिसमें वस्तु हमारी पहचान बन जाती है।

बच्चे को स्क्रीन दिखाई देती है, लेकिन उस स्क्रीन के पीछे पिता की मेहनत दिखाई नहीं देती। उसे मोबाइल की चमक दिखाई देती है, लेकिन घर के बजट का संघर्ष दिखाई नहीं देता।

दूसरा जाल है किस्त की संस्कृति।

आज बाजार हमें यह विश्वास दिलाता है कि जो वस्तु अभी हमारी सामर्थ्य से बाहर है, वह भी तुरंत हमारी हो सकती है। वस्तु आज घर आ जाती है और भुगतान भविष्य के हिस्से से होता रहता है।

लेकिन किस्त केवल धन की नहीं होती। कई बार उसकी कीमत परिवार के तनाव से भी चुकानी पड़ती है।

पिता अतिरिक्त श्रम करता है। मां घर का बजट संभालती है। दूसरे खर्च प्रभावित होते हैं। फिर मन में दबा तनाव संवाद को प्रभावित करता है। पिता सोचता है–'मैंने अपनी क्षमता से अधिक किया।' पुत्र सोचता है–'जब दिलाकर दिया है तो अब रोक क्यों रहे हैं?'

एक वस्तु घर में आती है और धीरे-धीरे घर की शांति बाहर चली जाती है।

तीसरा संकट है संस्कार के बिना तकनीक देना।

हमने बच्चों को मोबाइल चलाना सिखा दिया, लेकिन मोबाइल को नियंत्रित करना नहीं सिखाया।

बच्चा रोया–मोबाइल दे दिया।

खाना नहीं खाया–मोबाइल दिखा दिया।

अकेला लगा–मोबाइल थमा दिया।

बोर हुआ–मोबाइल दे दिया।

धीरे-धीरे मोबाइल मनोरंजन नहीं रहता, भावनात्मक सहारे का विकल्प बन जाता है। फिर आवश्यकता, आदत में बदलती है और आदत धीरे-धीरे अधिकार की मांग करने लगती है। यहीं से कुटुंब प्रबोधन की वास्तविक भूमिका प्रारंभ होती है।

कुटुंब प्रबोधन केवल पूजा, दीप, मंत्र या धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसका उद्देश्य परिवार को बदलते समय की चुनौतियों के लिए मानसिक, आर्थिक, सामाजिक और नैतिक रूप से तैयार करना होना चाहिए।

आज युवाओं से कहना होगा–

हे युवा! तुम मोबाइल नहीं हो। तुम वह मस्तिष्क हो जो मोबाइल बनाने की क्षमता रखता है।

तुम्हारी पहचान तुम्हारे हाथ में पकड़े उपकरण से नहीं है। तुम्हारी पहचान तुम्हारी बुद्धि, चरित्र, प्रतिभा, साहस और परिश्रम से है।

जिस मोबाइल को लेकर आज तुम्हें गर्व हो रहा है, कुछ वर्षों बाद उसका नया संस्करण आ जाएगा। लेकिन तुम्हारी प्रतिभा यदि विकसित हो गई तो उसका मूल्य समय के साथ बढ़ेगा।

इसलिए यह मत पूछो–'मेरे मित्र के पास क्या है?'

पूछो–'मैं स्वयं क्या बन सकता हूं?'

जिस समय को तुम दूसरों की वस्तुओं से अपनी तुलना करने में लगा रहे हो, वही समय यदि अपने ज्ञान, कौशल और लक्ष्य को विकसित करने में लगा दो, तो एक दिन तुम इतने समर्थ बन सकते हो कि वस्तुएं तुम्हारी पहचान नहीं, तुम्हारी आवश्यकता मात्र होंगी। परिवारों को भी एक कठिन सत्य स्वीकार करना होगा–

हर मांग पूरी करना प्रेम नहीं है।

समय पर कहा गया 'नहीं' कई बार बच्चे के भविष्य का सबसे बड़ा उपहार होता है।

बच्चे को यह बताना गलत नहीं है कि घर की आय सीमित है। उसे बताना चाहिए कि पैसा कैसे आता है, कितनी मेहनत से आता है और परिवार को किन आवश्यकताओं को प्राथमिकता देनी पड़ती है।

जब बच्चे को पिता के पसीने की कीमत समझ आएगी, तब वह वस्तु की कीमत भी समझेगा।

माता-पिता को बच्चों से यह भी कहना चाहिए–'हम तुम्हारी हर इच्छा पूरी करने का वचन नहीं देते, लेकिन तुम्हारे हर उचित सपने में तुम्हारे साथ खड़े रहने का वचन देते हैं।'

यह अंतर बच्चे को जिद और लक्ष्य के बीच का अंतर सिखाता है। परिवार में एक सरल लेकिन प्रभावी नियम बनाया जा सकता है–प्रतिदिन कम से कम एक घंटा मोबाइल-मुक्त परिवार समय हो। उस दौरान सभी मोबाइल एक स्थान पर रखे जाएं और परिवार एक-दूसरे से संवाद करे।

पिता पुत्र से पूछे–'आज तुम्हारे मन में क्या चला?'

मां बेटी से पूछे–'आज तुम्हें किस बात ने प्रसन्न किया?'

बच्चे पूछें–'आज आपका दिन कैसा रहा?'

क्योंकि जिस घर में संवाद जीवित रहता है, वहां तकनीक परिवार की जगह नहीं ले सकती।

सप्ताह में एक दिन परिवार यह संकल्प भी ले सकता है कि कोई नया विज्ञापन, कोई नया उपकरण और कोई सामाजिक दिखावा परिवार की शांति से बड़ा नहीं होगा।

और सबसे महत्वपूर्ण–तुलना बंद करनी होगी।

माता-पिता यदि कहेंगे, 'देखो, पड़ोसी के बेटे के पास क्या है', तो वे अनजाने में बच्चे को तुलना की भाषा सिखा रहे हैं।

इसके स्थान पर कहिए–

'देखो, तुम कल से आज कितने बेहतर हुए।'

यही आत्मविकास की शुरूआत है।

आने वाले वर्षों में तकनीक और शक्तिशाली होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आभासी संसार और अत्याधुनिक उपकरण जीवन को और सुविधाजनक बनाएंगे। इसलिए बच्चों को तकनीक से दूर करना समाधान नहीं है।

समाधान है–तकनीक के साथ विवेक देना।

उन्हें केवल उपकरण देना पर्याप्त नहीं।

उन्हें संयम देना होगा।

उन्हें केवल संसार से जोड़ना पर्याप्त नहीं।

उन्हें अपने परिवार से जोड़ना होगा।

उन्हें केवल सफलता का सपना देना पर्याप्त नहीं।

उन्हें असफलता सहने की शक्ति भी देनी होगी।

याद रखिए–

आई फोन का नया संस्करण हर वर्ष आ सकता है।

लेकिन जीवन का नया संस्करण नहीं आता।

मोबाइल टूट जाए तो नया खरीदा जा सकता है।

पैसा चला जाए तो फिर कमाया जा सकता है।

रिश्ता टूट जाए तो उसे जोड़ने में वर्षों लग सकते हैं।

विश्वास खो जाए तो उसे वापस पाना कठिन होता है। और जीवन चला जाए तो वह वापस नहीं आता।

इसलिए आज प्रत्येक परिवार को एक संकल्प लेना चाहिए–

हम अपने बच्चों को दिखावे का उपभोक्ता नहीं, जीवन का निर्माता बनाएंगे।

हम उन्हें वस्तुओं की तुलना नहीं, मूल्यों की पहचान सिखाएंगे।

हम उन्हें यह नहीं पूछेंगे कि 'लोग क्या कहेंगे?'

हम उनसे पूछेंगे–

'तुम्हारा जीवन क्या कहेगा?'

एक दिन ऐसा भी आए कि हमारा बच्चा गर्व से कहे–

'मेरे पिता ने मेरी हर मांग पूरी नहीं की, लेकिन उन्होंने मुझे जीवन की हर बड़ी चुनौती के सामने खड़ा होना सिखाया। उन्होंने मुझे महंगा मोबाइल देने से पहले यह सिखाया कि मनुष्य की कीमत किसी वस्तु से नहीं होती।' तब समझिएगा कि परिवार ने केवल एक संतान का पालन नहीं किया, बल्कि एक मनुष्य का निर्माण किया है।

आई फोन बड़ा नहीं है।

जीवन बड़ा है।

मोबाइल मूल्यवान हो सकता है।

मानवीय संबंध अनमोल हैं।

बाजार वस्तु की कीमत तय कर सकता है।

परिवार ही जीवन का मूल्य बचा सकता है।

इसलिए आज हर घर में एक प्रश्न पूछा जाना चाहिए–

'बच्चे के हाथ में क्या है?' से पहले पूछिए–'बच्चे के मन में क्या है?' मोबाइल हाथ में होना आधुनिकता हो सकती है, लेकिन मोबाइल पर नियंत्रण होना संस्कार है।

और जिस दिन परिवार इस अंतर को समझ लेगा, उस दिन कुटुंब केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं रहेगा–

वह मनुष्य निर्माण की सबसे बड़ी पाठशाला बन जाएगा।

बादल, कंप्यूटर और पवित्र अग्नि: भारत का दोमुखी यथार्थवाद

बृज खंडेलवाल द्वारा

कर्नाटक के आसमान में बादल तो नहीं थे, पर सरकार की तैयारी पूरी थी। एक टीम ने विमान और मौसम विज्ञान की तरफ देखा; दूसरी टीम ने मंदिर, पवित्र अग्नि और मंत्रों की ओर। अजीब! पर दोनों सरकारी जवाब थे।

राज्य ने सूखे से निपटने के लिए 28.52 करोड़ रुपये के आपात क्लाउड-सीडिंग अभियान की घोषणा की। 31 जिलों में से 29 बारिश की कमी से जूझ रहे थे। विमान बादल ढूंढेंगे, वैज्ञानिक हालात पर निगरानी रखेंगे, सैकड़ों उड़ान घंटे तय किए गए।

उसी सुबह कोडागु के पाडी इग्गुथप्पा मंदिर में रुद्र होम होना था; कृषि मंत्री पी.एम. नरेंद्रस्वामी शामिल होने वाले थे। बताया गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह अनुष्ठान रखा गया, उम्मीद यही थी कि देवता कर्नाटक पर मेहरबान होंगे।

एक तस्वीर सोचिए: एक तरफ वैज्ञानिक क्लाउड-इंजीनियरिंग, दूसरी तरफ हवनों का धुआँ; दोनों का मकसद समान है: बारिश।

यह भारत की दोहरी ज़िंदगी है। हम रॉकेट बनाते हैं, पर अहम काम से पहले मुहूर्त पूछते हैं। उपग्रह भेजते हैं, पर नए व्यापार के लिए सितारों की सलाह लेते हैं। हम दुनिया के बेहतरीन इंजीनियर तैयार करते हैं, पर कई बार दफ्तरों का नक्शा वास्तु और अंकशास्त्र तय करते हैं। विज्ञान और अंधविश्वास यहां सिर्फ पड़ोसी नहीं, कभी-कभी वे एक ही बेडरूम शेयर करते हैं।

ISRO की सफलताएँ और वैज्ञानिक क्षमता बहुमूल्य हैं। फिर भी बड़े कार्यक्रमों से पहले 'मुहूर्त शुभ है या नहीं' जैसे सवाल उठते हैं। गणित रॉकेट को चलाता है; इंसान अक्सर ग्रह-नक्षत्रों पर भरोसा कर लेता है।

यह विरोधाभास शिक्षा और व्यावहारिक जीवन में भी दिखता है। हमारे पास विश्वस्तरीय मेडिकल संस्थान हैं, पर डिजिटल बाजार पर वही फोन चमत्कारी दवाइयाँ, कुंडली-वाले ऐप और तांत्रिक इलाज भी बेचते हैं। इतिहास पर गर्व करना ठीक है, पर पुरानी कथाओं से आधुनिक आविष्कार निकालना सबूत नहीं है।

पर्यावरण की भी यही कहानी है। वैज्ञानिक नदियों की सफाई, जलवायु परिवर्तन और भूजल घटने की चेतावनी दे रहे हैं; अदालतें आदेश दे रही हैं; पर त्यौहारों में टनों सामग्री उन्हीं नदियों में विसर्जित कर दी जाती है। आस्था कहती है नदी पवित्र है; नदी के पास पीआर टीम नहीं है: वह कचरा ढोती आगे बढ़ती है।

हमारा संविधान वैज्ञानिक सोच की बात करता है, पर सामाजिक फैसलों में जाति, कुंडली और परंपरा का प्रभाव आज भी दिखता है। एक हाथ में आधुनिक डिग्री हो सकती है; दूसरे हाथ में जन्मपत्री मजबूती से थमी रहती है। कर्नाटक का मामला इसलिए आँख खोलने वाला है क्योंकि विज्ञान और आस्था एक साथ सामने आए। क्लाउड-सीडिंग कोई जादू नहीं; यह सही परिस्थितियों पर निर्भर एक तकनीक है। रुद्र होम आस्था और परंपरा का मामला है। प्रार्थना उम्मीद देती है; पर उम्मीद हाइड्रोलॉजी की जगह नहीं ले सकती। हवन सूखी नहर की मरम्मत नहीं कर सकता; मंत्र खाली जलाशय भर नहीं देते। प्राचीन ज्ञान का अध्ययन जरूरी है; पर पुराने किस्सों को साक्ष्य मान लेना खतरे की घंटी है। अखबार हो या टीवी, डिजिटल मीडिया, ज्योतिषियों की भरमार है। तमाम लोग राशिफल पढ़कर ही दिन शुरू करते हैं।

सुबह प्रार्थना कीजिए; दोपहर तक जलाशय बना लीजिए। यही मिश्रित तर्कहीनता से निकलने की असली चुनौती है। भारत ज्ञान, तकनीक और नेतृत्व बनने का सपना देखता है। सपने अच्छे हैं। पर पहले फर्क सीखिए। ज्ञान और विश्वास, सबूत और भावना, शोध और आत्मझ्रप्रशंसा के बीच। वरना हम दो दुनियाओं में यूं ही जीते रहेंगे: एक हाथ उपग्रह छोड़ेगा, दूसरा शुभ मुहूर्त खोजेगा; एक विमान बादल में बीज डालेगा, दूसरा सरकारी दल पवित्र अग्नि में आहुति देगा, और विरोधाभास धुएँ और बादलों के बीच नाचता रहेगा।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 27 अगस्त 2026 गुरूवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मिथुन कर्क वृश्चिक धनु कुंभ और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल आध्यात्मिक प्रभाव और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। गुरुवार का दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु तथा ज्ञान के कारक देवगुरु बृहस्पति की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र और फलदायी माना जाता है। आज के दिन पीले पुष्प चने की दाल तथा गुड़ अर्पित कर विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से जीवन में असीम ज्ञान ऐश्वर्य पारिवारिक समरसता और धर्म कार्य में स्थायी सफलता प्राप्त होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में अधिक कार्यभार के कारण शारीरिक थकान महसूस हो सकती है इसलिए स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। वित्तीय मामलों में जल्दबाजी में निर्णय न लें और अनुभवी वरिष्ठ लोगों की सलाह लेकर ही नया पूंजी निवेश करें। भगवान विष्णु के मंदिर में चने की दाल भेंट करें जिससे आपके सभी आर्थिक संकट दूर होंगे।

वृष

आज आपको अपने पुराने सहयोगियों के माध्यम से व्यवसाय में नवीन अवसर प्राप्त होंगे जिससे मन में नया उत्साह पैदा होगा। परिवार में किसी शुभ कार्य की योजना बनेगी और परस्पर प्रेम भाव और सौहार्द में अपार वृद्धि होगी। मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं जिससे आपके अटके हुए सभी काम आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन

आज आपकी प्रखर बुद्धि और कौशल के कारण रुके हुए प्रशासनिक कार्य गति पकड़ेंगे और कार्यस्थल पर आपकी अलग पहचान बनेगी। अचानक किसी दूर स्थान की यात्रा का योग बन रहा है जो भविष्य में आपके व्यापारिक विकास हेतु लाभप्रद सिद्ध होगी। श्री हरि विष्णु की आरती करें जिससे जीवन के सभी कष्ट और नकारात्मक शक्तियां समाप्त होंगी।

कर्क

आज आपका आर्थिक पक्ष अत्यधिक मजबूत रहेगा और संचित धन में वृद्धि होने से मानसिक संतोष और प्रसन्नता मिलेगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी एकाग्रता के बल पर बहुत सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। किसी निर्धन बालक को पाठ्य सामग्री का दान करें जिससे आपके यश और कीर्ति का विस्तार होगा।

सिंह

आज आपको कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर काम करने की आवश्यकता है जिससे अनावश्यक विवादों से बचाव संभव होगा। लेन देन से जुड़े मामलों में पूरी सावधानी बरतें और किसी पर भी अंधा भरोसा करने से बचें। केले के वृक्ष में जल अर्पित करें जिससे आपके जीवन में सुख और समृद्धि बनी रहेगी।

कन्या

आज व्यापारिक गतिविधियों में अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना बन रही है जिससे आपकी पुरानी योजनाएं सफलता पूर्वक क्रियान्वित होंगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का आप पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे और जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। गुरु मंत्र का जाप करें जिससे आपकी निर्णय क्षमता और विवेक में वृद्धि होगी।

तुला

आज कला रचनात्मकता और बौद्धिक कार्यों से जुड़े जातकों को समाज में विशिष्ट स्थान और सम्मान की प्राप्ति होगी। पुराने समय से चला आ रहा कोई पारिवारिक विवाद आज आपसी बातचीत के माध्यम से सुलझ जाएगा। किसी धार्मिक स्थल पर पीली वस्तु का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

वृश्चिक

आज आपका पराक्रम और कार्य कुशलता चरम पर रहेगी जिससे आप कठिन चुनौतियों का सामना भी बहुत सरलता से कर लेंगे। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नए पद की प्राप्ति की शुभ सूचना मिल सकती है जिससे मन प्रफुल्लित रहेगा। विष्णु सहस्त्रनाम का वाचन करें जिससे आपके सभी शत्रु स्वतः शांत हो जाएंगे।

धनु

आज आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आपको आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में साझेदारी के नए प्रस्ताव मिल सकते हैं जो आगे चलकर अत्यंत लाभदायक सिद्ध होंगे। मंदिर में केसर का दान करें जिससे आपकी यश प्रतिष्ठा और संपत्ति में निरंतर वृद्धि होगी।

मकर

आज स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है और बाहर के भोजन से परहेज करना आपके हित में रहेगा। व्यापार में अपनी योजनाओं को गुप्त रखें और सोच समझकर ही कोई नया वित्तीय अनुबंध करें। भगवान श्री हरि को पीले पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी सभी बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज दांपत्य जीवन में अपार मधुरता रहेगी और जीवनसाथी की सलाह से किया गया कार्य आपको भारी सफलता दिलाएगा। व्यावसायिक संपर्क सूत्रों का विस्तार होगा और लंबे समय से रुका हुआ धन आज वापस प्राप्त हो सकता है। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी मानसिक चिंताएं और भय दूर होंगे।

मीन

आज कार्यस्थल पर आपका वर्चस्व बना रहेगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की मुक्त कंठ से प्रशंसा करेंगे। अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि मिलने के योग निर्मित हो रहे हैं। हल्दी की गांठ अपने पास रखें जिससे आपके घर परिवार में खुशहाली और संपन्नता बनी रहेगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन भवन के उत्तर या ईशान कोण को स्वच्छ रखकर वहां हरे पौधे स्थापित करने तथा हल्दी से स्वास्तिक चिन्ह निर्मित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा श्री गणेश की कृपा से परिवार का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि संवर्धित होती रहती है।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज़ फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भक्ति, संगीत और संस्कृति का होगा संगम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर इस बार मथुरा में भक्ति, संगीत और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में 2 से 4 सितंबर तक तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में भजन, सांगीतिक प्रस्तुतियों के साथ प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या विशेष आकर्षण होगी। 2 सितंबर को दोपहर 3 बजे से 3:10 बजे तक उद्घाटन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। इसके बाद 3:10 से 3:15 बजे तक श्याम जी शंख वादन करेंगे। शाम 4:15 से 6:15 बजे तक भारत भूषण भजन, कीर्तन और लोकगायन प्रस्तुत करेंगे।

शाम 6:15 से 7:40 बजे तक गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन की ओर से ह्यमुदरिया प्रेम एवं नंदोत्सवह्न की झांकी गायन एवं नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। 3 सितंबर

- कन्हैया मित्तल सहित कई प्रख्यात कलाकार देंगे प्रस्तुति
- ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से पाश्चजन्य प्रेक्षागृह में 2 से 4 सितंबर तक होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

को शाम 4 से 5 बजे तक देवर्ष शर्मा भजन गायन करेंगे। इसके बाद शाम 5 से 7 बजे तक कृष्णा सागर कलेक्टिव की भजन जैमिंग होगी। शाम 7 से 9 बजे तक श्रुति अनंदिता वर्मा के निर्देशन में आरुष वर्मा, कमला बरेथ, निशु शर्मा, रालीग खान और सम्राट कुमार कृष्णा कॉन्सर्ट-डिवोशनल म्यूजिकल प्रस्तुति देंगे।

4 सितंबर को दोपहर 3 से 5 बजे तक मोहित शेवानी ह्यकृष्णानायन–सुनिए वो जो कभी कहा नहीं गयाह्न प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद शाम 5 से 7 बजे तक हार्टफुलनेस फाउंडेशन की प्रस्तुति होगी। इसमें स्नीति मिश्रा ह्यकृष्णः अनंत रंग, अनंत भावह्न प्रस्तुत प्रमुख है। वहीं अनिरबान भजन एवं बांसुरी वादन और मैत्रेयी राय भजन गायन करेंगी।

कार्यक्रम का समापन 4 सितंबर को शाम 7 से 9 बजे तक चर्चित भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या से होगा। इसके अलावा कन्हैया के जन्मोत्सव में शामिल होने आ रहे लाखों भक्तों को जगह जगह ऐसा ही भक्ति और संगीत का माहौल नजर आएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने पांच बड़े मंच और 21 छोटे मंच भी बनाए जाएंगे। यहाँ ब्रज के कलाकार अपनी लोक कला की प्रस्तुति देंगे।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाला यह आयोजन ब्रज की पारंपरिक भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक मंचीय प्रस्तुतियों के साथ जोड़ने का प्रयास है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर मथुरा आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

आनलाइन या गोलक में डलेगा दान

श्री बांके बिहारी मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी के आरोपों पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

वृंदावन के प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा दानपेटी में डाला जाए या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। चढ़ावे की राशि को किसी भी स्तर पर इधर-उधर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की स्थिति रिपोर्ट पेश की गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने अदालत को मामले की गंभीरता से अवगत कराया और तस्वीरों के साथ एक वीडियो भी अदालत के समक्ष रखा।

अदालत को बताया गया कि वीडियो में तीन लोग मंदिर की पारंपरिक दानपेटी यानी गोलक के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि वे श्रद्धालुओं से पैसे लेकर उन्हें पॉलीथिन की थैलियों में जमा कर रहे थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि मंदिर में चढ़ावे की राशि के संग्रह की व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दान की प्रत्येक राशि दानपेटी या ऑनलाइन माध्यम से मंदिर की कोषागार तक पहुंचनी चाहिए। पीठ ने कहा कि सेवायतों या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से मंदिर की कोषागार व्यवस्था में किसी भी तरह की बाधा को गंभीरता से लिया जाएगा।

अदालत ने मंदिर प्रबंधन समिति को कोषागार व्यवस्था में पारदर्शी प्रणाली लागू करने के निर्देश भी दिए। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले चढ़ावे का पूरा हिसाब मंदिर के आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज करना है। सुप्रीम कोर्ट ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। अदालत के निदेशों का मुख्य उद्देश्य मंदिर में चढ़ावे के संग्रह और उसके प्रबंधन को पारदर्शी बनाना है ताकि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े धन का दुरुपयोग न हो और प्रत्येक राशि का स्पष्ट हिसाब मंदिर के आधिकारिक कोष में दर्ज हो।

महिलाओं ने तहसील परिसर में थाली बजाकर किया प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, मथुरा। गोवर्धन तहसील परिसर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में घूंघट में आई कुछ महिलाओं के हाथ में थाली चम्मच हैं। महिलाएं थाली बजाकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। वीडियो को लेकर तरह तरह की चचाएं भी चल निकली हैं। महिलाओं ने अपने प्रदर्शन के दौरान तहसील प्रशासन पर भ्रष्टाचार समेत विभिन्न मामलों में गंभीर आरोप लगाए।

उनका कहना था कि कई समस्याओं को लेकर अधिकारियों से शिकायत किए जाने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने थाली बजाकर प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोरोना काल के लॉकडाउन के समय थाली बजाने के आह्वान का हवाला देते हुए कहा कि जिस तरह उस समय थाली बजाकर लोगों को एकजुटता का संदेश दिया गया था, उसी अंदाज में अब वे तहसील प्रशासन को जगाने के लिए थाली बजा रही हैं। विनोदी चौधरी ने कहा कि महिलाओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के लिए 14 कार्यकर्ताओं ने की दावेदारी

- कांग्रेस जिला कार्यालय पर ऑब्जर्वर को सौंपे प्रार्थना पत्र

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए कुछ 14 नामांकन आए। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर सोमवार को शाम करीब 7 बजे सेठवाड़ा स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पार्टी द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर डॉ. अंजली निब्बारकर के समक्ष कुल 14 कांग्रेस कार्यकताओं ने अपनी दावेदारी पेश करते हुए नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन दाखिल करने वालों में मुकेश धनगर, डॉ. आशुतोष भारद्वाज, दिलीप चौधरी, भगवान सिंह वर्मा, दिनेश मौर्या, तपेश गौतम, विनोद आर्य, दीपक अग्रवाल, योगेश पचहरा, राजकुमार तिवारी, प्रवीन ठाकुर, अनिल कुंतल, रूपा लवानिया और कमलेश चौधरी शामिल हैं। इनमें तीन महिला दावेदार भी हैं।

ऑब्जर्वर डॉ. अंजली निब्बारकर ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हुई। प्राप्त नामांकनों पर पार्टी का शीर्ष नेतृत्व विचार करेगा। जिला अध्यक्ष पद के लिए छह लोगों का एक पैनल तैयार कर शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व अंतिम निर्णय लेगा। पूर्व में नौहझील ब्लॉक में हुए विवाद को देखते हुए कार्यालय पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। नामांकन प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा गया और कार्यालय के आसपास समर्थकों की भीड़ जुटी रही। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी दावेदारी पेश करने का अधिकार है। पार्टी में सभी कार्यकताओं की अपनी भूमिका होती है।

वहीं, दावेदार दिलीप चौधरी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व का निर्देश सभी के लिए सर्वमान्य होगा और संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकताओं को मिलकर काम करना चाहिए। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब छह नामों का पैनल शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा। इसके बाद जिला कांग्रेस के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर पार्टी नेतृत्व के निर्णय का इंतजार है।

संविद गुरुकुलम में देशभर से प्राप्त रक्षा सूत्र किए गए समर्पित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

- दीदी मां ऋतंभरा ने राष्ट्र रक्षा सूत्र को बताया राष्ट्र का गौरव

संविद् गुरुकुलम, वृंदावन में राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित भारतीय सैनिकों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और आत्मीयता के भाव को समर्पित इस अभियान ने विगत 25 वर्षों में देशवासियों को राष्ट्रभक्ति के एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। कार्यक्रम में दीदी मां ऋतंभरा की गरिमामयी उपस्थिति रही व साथ ही युगपुरुष श्रद्धेय गुरुदेव भगवान स्वामी परमानंद गिरि जी महाराज का दिव्य सान्निध्य से कार्यक्रम शोभायमान रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा सूत्र की यह 25 वर्षों की यात्रा केवल एक आयोजन की यात्रा नहीं, बल्कि देश की बेटियों द्वारा राष्ट्र के प्रहरी वीर जवानों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और भाईचारे की भावना को निरंतर सुदृढ़ करने का संकल्प है।

उन्होंने इस गौरवपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाने और इसे जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अखंड परमधाम से ज्योतिर्मयानंद, अखंड परमधाम वृंदावन से चित प्रकाशानंद, साक्षी चेतना दीदी, दिव्य चेतना दीदी, शिरोमणि दीदी ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की भी कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। साथ ही इस अवसर पर राजीव गुप्ता, मेजर जनरल पृथि सिंह उपस्थित रहे। इस वर्ष भी देशभर में 1,11,000 रक्षा-सूत्रों के संकलन का संकल्प लिया गया था। इस संकल्प को जन-जन का अभूतपूर्व समर्थन मिला और देश के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 2,17,848 रक्षा-सूत्र प्राप्त हुए। इन सभी रक्षा-सूत्रों को राष्ट्र की रक्षा में समर्पित वीर जवानों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान के प्रतीक के रूप में दीदी मां को समर्पित किया गया।

पीआरडी जवानों ने रोकी सीडीओ की गाड़ी

टीएनएफ टुडे, मथुरा। प्रशासनिक अड़चनों की वजह से मथुरा में तैनात पीआरडी जवानों को दो महीने से वेतन नहीं मिल पा रहा है। सावन का त्योहार और जन्माष्टमी जैसे महत्वपूर्ण पर्व आगामी कुछ दिनों में पड रहे हैं। हालफिलहाल वेतन निर्गत होने की संभावना नहीं होते देख पीआरडी जवानों की बेचैनी और बढ गई। पीआरडी जवानों को दैनिक भत्ते के रूप में भुगतान किया जाता है। वेतन नहीं मिलने से जवानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मंगलवार को दर्जनों पीआरडी जवान प्रशासनिक भवन (राजीव भवन) जा पहुंचे। जैसे ही मुख्य विकास अधिकारी की गाडी आई पीआरडी जवान गाडी क आगे खडे हो गये। करीब दो दर्जन पीआरडी जवानों ने मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता की गाड़ी का रास्ता रोक दिया। जवानों ने दो माह से रुके वेतन का भुगतान कराने की मांग की।

संविद गुरुकुलम में देशभर से प्राप्त रक्षा सूत्र किए गए समर्पित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

- दीदी मां ऋतंभरा ने राष्ट्र रक्षा सूत्र को बताया राष्ट्र का गौरव

संविद् गुरुकुलम, वृंदावन में राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित भारतीय सैनिकों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और आत्मीयता के भाव को समर्पित इस अभियान ने विगत 25 वर्षों में देशवासियों को राष्ट्रभक्ति के एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है।

कार्यक्रम में दीदी मां ऋतंभरा की गरिमामयी उपस्थिति रही व साथ ही युगपुरुष श्रद्धेय गुरुदेव भगवान स्वामी परमानंद गिरि जी महाराज का दिव्य सान्निध्य से कार्यक्रम शोभायमान रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र रक्षा सूत्र की यह 25 वर्षों की यात्रा केवल एक आयोजन की यात्रा नहीं, बल्कि देश की बेटियों द्वारा राष्ट्र के प्रहरी वीर जवानों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और भाईचारे की भावना को निरंतर सुदृढ़ करने का संकल्प है। उन्होंने इस गौरवपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाने और इसे जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अखंड परमधाम से ज्योतिर्मयानंद, अखंड परमधाम वृंदावन से चित प्रकाशानंद, साक्षी चेतना दीदी, दिव्य चेतना दीदी, शिरोमणि दीदी ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की भी कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। साथ ही इस अवसर पर राजीव गुप्ता, मेजर जनरल पृथि सिंह उपस्थित रहे। इस वर्ष भी देशभर में 1,11,000 रक्षा-सूत्रों के संकलन का संकल्प लिया गया था।

अपने कार्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी से करें: डीएम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग के लिए नव चयनित 3446 प्राविधिक सहायकों एवं 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। लखनऊ में आयोजित उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद मथुरा के कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा के नव चयनित 35 प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) को नियुक्ति पत्र वितरित किए। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पल आप सभी के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण, गौरवपूर्ण और अविस्मरणीय है। आप सभी ने अपनी मेहनत, लगन, धैर्य और दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता प्राप्त की है। सफलता केवल किसी परीक्षा या चयन में प्राप्त होने वाला परिणाम नहीं है, बल्कि यह निरंतर प्रयास, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का परिणाम है। जिलाधिकारी से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने पर सभी नव चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 पूजा गुप्ता, उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी, सभी 35 नव चयनित प्राविधिक सहायक, अभ्यर्थियों के अभिभावकगण एवं कृषि विभाग के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एमएलसी ठा.ओम प्रकाश सिंह को मिला राज्य मंत्री का दर्जा

-प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति का सभापति नियुक्त

टीएनएफ टुडे, मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य ठाकुर ओम प्रकाश सिंह को प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति का सभापति नियुक्त किया गया है। इस पद के साथ उन्हें दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री का पद भी प्राप्त हुआ है। अब प्रदेश की विद्युत व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की जांच, समीक्षा और जनहित से जुड़े मुद्दों की निगरानी उनके नेतृत्व में की जाएगी।

ठाकुर ओम प्रकाश सिंह ने नियुक्ति पर भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसका निर्वहन वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाना होगा तथा जनता से जुड़े विद्युत संबंधी मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। ठाकुर ओम प्रकाश सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत वर्ष 1978 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से की थी। लंबे समय तक संगठन और समाज के बीच सक्रिय रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं और वर्तमान में वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य हैं। राजनीतिक और संगठनात्मक अनुभव के आधार पर उन्हें यह अहम दायित्व सौंपे जाने को नेतृत्व के विश्वास के रूप में देखा जा रहा है।

12 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार दिनांक 12 सितम्बर शनिवार को प्रातः 10 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश विकास कुमार की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय, मथुरा में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी प्रकार के वादों (आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखत अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, सर्विस में वेतन सम्बंधित विवाद एवं सेवानिवृत्तिक लाभों से सम्बंधित विवाद, राजस्व वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, अन्य सिविल वाद, किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, अन्य वाद) का निस्तारण अपने-अपने न्यायालय कक्षों में सुलह समझौते के आधार पर किया जाना है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा अनीता सिंह द्वारा समस्त वादकारीगण को सूचित किया जाता है कि वे अपने उक्त वादों का निस्तारण 12 सितम्बर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह एवं समझौते के आधार पर कराकर लाभ उठायें।

स्थान-स्थान पर संघ कार्यकर्ता लगा रहे युवाओं की चौपाल

महाविद्यालयों में हो रहे युवा संवाद कार्यक्रम, युवा ही उस देश की रीढ़: कुशलेश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्रावण भाद्रपद माह में युवा संवाद कार्यक्रम होने हैं, जिनकी शुरूआत मथुरा महानगर में श्रीजी बाबा विद्यालय से हुई। युवा संवाद कार्यक्रम के विषय में बताते हुए कार्यक्रम के संयोजक और महानगर के शारीरिक शिक्षण प्रमुख कुशलेश ने बताया कि संघ का इस समय सबसे ज्यादा ध्यान नई युवा तैयार हो रही पीढ़ी को तरफ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता है कि ये युवा पीढ़ी स्वयं के अथोर्पार्जन के साथ देश सेवा भी कैसे हो इस बारे में सोचे।

संघ का मानना है कि किसी भी देश का युवा उस देश की रीढ़ होता है, जिस तरफ देश का युवा झुकाव लेता है संपूर्ण डेढ़ का झुकाव भी उस ओर हो जाता है अतः युवा जो और ज्यादा सावधानी और सतर्कता की आवश्यकता है कि उनकी योग्यता और जोश का इस्तेमाल राष्ट्र हित में हो जिससे अपना देश आगे बढ़े। कार्यक्रमों की योजना बना रहे महानगर प्रचारक सचिन ने बताया कि कार्यक्रम में 1 घंटे के शारीरिक के साथ आधे आधे घंटे के दो संवाद सत्र भी रहते हैं जिसमें संघ के वक्ता बंधु अपना विषय रखने के साथ जिज्ञासा समाधान भी करते हैं। शारीरिक कार्यक्रमों में खेल खिला कर युवाओं को शारीरिक रूप से दृढ़ बनाने के अतिरिक्त खेलों की तरफ आकर्षित करना भी योजना में रहता है। महानगर सह कार्यवाह श्रीओम ने बताया कि पूरे महानगर में 100 कार्यक्रमों का लक्ष्य रखा है, जिसमें लगभग 10000 युवा भाग लेंगे। कार्यक्रम में 14 वर्ष से 40 वर्ष तक के विद्यार्थी, व्यवसायी रह सकते हैं।

ठाकुर राधारमण मंदिर में ब्रज लोक रस का विमोचन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, महावन।

ब्रज संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सावन के आखिरी सोमवार को ठाकुर श्री राधा रमण महाराज जी मंदिर, गढी हयातपुर, मथुरा परिसर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में मंदिर प्रबन्ध समिति के सचिव समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ओ.पी. उपाध्याय के कर-कमलों द्वारा पुस्तक ब्रज लोक रस का विमोचन किया गया। पुस्तक के लेखक चौधरी ओमप्रकाश डागुर हैं, जो बृज में लोक गायक, संगीताचार्य के रूप में जाने जाते हैं। इन्हें सन 2024 में बृज गौरव रत्न से सम्मानित किया गया, एवं 2025 में लोक कला मर्मज्ञ से सम्मानित किया जा चुका है। डागुर ने गहन शोध और समर्पण के साथ ब्रज की समृद्ध लोक गाथाओं को इस पुस्तक में संकलित किया है। विमोचन समारोह की अध्यक्षता करते हुए रिटायर्ड कानूनगो ओमप्रकाश सारस्वत ने कहा कि यह पुस्तक ब्रज की अनमोल धरोहर है, इसकी लोक गाथाओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करने का एक सराहनीय प्रयास है। इसमें बृज का हर कण एक लोक कथा समेटे हुए है। पुस्तक के लेखक चौधरी ओमप्रकाश डागुर ने पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बृज लोक रस में मैंने इन गाथाओं को उनके मूल स्वरूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है, ताकि पाठक बृज की असली रसधारा का आनंद ले सकें। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. कुलदीप सारस्वत द्वारा किया गया। इस अवसर रामबाबू व्यास, एडवोकेट एडवोकेट मोहित उपाध्याय, एडवोकेट राहुल सारस्वत, प्रधान प्रतिनिधि विष्णु परमार आदि लोग मौजूद रहे।

योगी कैबिनेट का फैसला, समान पक्षी विहार को नई पर्यटन पहचान दिलाएगी सरकार

मैनपुरी के समान पक्षी विहार में बढ़ेंगी पर्यटन सुविधाएं, छह हेक्टेयर जमीन देने पर कैबिनेट की मुहर

टीएनएफ टुडे, लखनऊ/मैनपुरी।

योगी सरकार मैनपुरी के समान पक्षी विहार को पर्यटन के नक्शे पर और आकर्षक बनाने के लिए यहां सुविधाओं का विस्तार करेगी। इसके लिए पक्षी विहार के समीप ग्राम सभा की छह हेक्टेयर भूमि पर्यटन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। मंगलवार को कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। जमीन मिलने के बाद यहां पर्यटकों की जरूरतों के मुताबिक अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।

- पर्यटन विभाग को नि:शुल्क मिलेगी ग्रामसभा की भूमि, पर्यटकों के लिए विकसित होंगी सुविधाएं
- रामसर साइट पर बढ़ेगी पर्यटकों की आमद, स्थानीय स्तर पर रोजगार के भी बढ़ेंगे अवसर
- समान पक्षी विहार को नई पहचान, मैनपुरी में ईको टूरिज्म को मिलेगी उड़ान-जयवीर सिंह

मैनपुरी का समान पक्षी विहार प्रदेश के प्रमुख वेटलैंड्स है। तकरीबन 5.25 वर्ग किलोमीटर में फैले इस स्थल को वर्ष 2019 में रामसर साइट घोषित किया गया था। सारस क्रेन समेत कई प्रजातियों के स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट यहां की खास पहचान है। सर्दियों के मौसम में दूर-दराज के देशों से आने वाले मेहमान पक्षियों से पूरा इलाका गुलजार हो उठता है। यही वजह है कि पक्षी देखने और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए समान पक्षी विहार विशेष आकर्षण का केंद्र रहा है।

'समान पक्षी विहार से बढ़ेगी मैनपुरी की पर्यटन पहचान'

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि 'प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के साथ प्राकृतिक एवं ईको टूरिज्म की संभावनाओं को भी तेजी से विकसित किया जा रहा है। समान पक्षी विहार में पर्यटक सुविधाएं बढ़ने से देश-विदेश के पक्षी प्रेमियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे मैनपुरी को पर्यटन के नक्शे पर नई पहचान मिलने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।'

छह हेक्टेयर जमीन पर आकार लेंगी पर्यटन सुविधाएं

कैबिनेट के निर्णय के तहत मैनपुरी की किसनी तहसील के ग्राम समान स्थित गाटा सं0-2447ज्ञ/50.72 एकड़ (22.548 हे0) भूमि में से छह हेक्टेयर ऊसर भूमि पर्यटन विभाग को दी जाएगी। ग्राम भूमि प्रबंधक समिति पहले ही जमीन पर्यटन विभाग को उपलब्ध कराने का प्रस्ताव पारित कर चुकी है। भूमि का हस्तांतरण निःशुल्क होने के कारण सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

प्रदेश में ईको पर्यटन को बढ़ावा

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग का मानना है कि सुविधाओं के विकास से समान पक्षी विहार में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

इसका लाभ आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन से जुड़े कारोबार को भी मिलेगा। प्रदेश में समान के अलावा चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार, सांडी, बखीरा, विजय सागर, समसपुर, सूर सरोवर और पटना समेत कई पक्षी विहार हैं, जिन्हें पर्यटन से जोड़कर विकसित किया जा रहा है।

कॉरिडोर बनाने में आबादी क्षेत्र का नहीं करेंगे अधिग्रहण-डीएम

डीएम ने किशनी तहसील का किया आकस्मिक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, किशनी।

सोमवार को डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने तहसील का आकस्मिक निरीक्षण किया।डीएम ने नगर के पास से निकल रहे एक्सप्रेस वे व इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिये अधिग्रहण की जा रही जमीन के नक्शे व अभिलेखों का गहन परीक्षण किया।

डीएम ने मीडिया को बातचीत में बताया कि वह लिंक एक्सप्रेस वे के बैनामा को फाइनल कर रहे हैं।जो बैनामे नहीं हो पाए हैं उनको समाहित किया जा रहा है।जितने लोगों के पेमेंट नहीं हुए उनकी समीक्षा हो रही है और कॉरिडोर की जमीन का एलायमेंट कर रहे हैं हर गांव में चौपाल लगाई थी तब ग्रामीणों की शिकायत थी कि उनकी पूरी कृषि भूमि के साथ घर तक जा रहे हैं।इसलिये उनको दोबारा नए सिरे से व्यवस्थित कर रहे हैं जिससे किसान खेती भी कर सके और इंडस्ट्री के लिये जमीन भी दे सके।प्रयास किया जाएगा कि थोड़ी कम जमीनें लें जिससे किसानों को राहत मिलेगी।दो गांव एक्सप्रेस वे और एनएच पर जा रहे हैं उनको पुनः व्यवस्थित किया है उसके आधार पर अधिग्रहण करेंगे।जो किसान लिंक एक्सप्रेस वे के लिये बैनामा करना चाहते हैं उनका स्वागत है। इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिये जमीन अधिग्रहण में कुछ किसान विरोध में थे कुछ तैयार थे। विरोध कर रहे किसानों की शिकायतें थीं कि हमारी पूरी जमीन जा रही थी।

उनमें से कुछ जमीन प्रथम चरण में ले रहे हैं अगर द्वितीय चरण में वो जमीन देना चाहेंगे तो ले लेंगे।अभी नए सिरे से प्रस्ताव करके भेज रहे हैं वहां से एप्रूवल होने पर रेट पब्लिश करके उसके बाद बैनामा कराना शुरू कर देंगे।जो 1700 एकड़ जमीन लेनी है कोशिश होगी उसका रकबा कम करने का प्रयास करेंगे।किसानों की परेशानी को देखते हुए आबादी क्षेत्र और मकानों को छोड़ देंगे।

इस दौरान उप जिलाधिकारी किशनी नवनीता राय,तहसीलदार कमलेश कुमार,नायब तहसीलदार राजकपूर,वीरेश पाठक,रजिस्ट्रार कानूनगो गौरव कुमार,लेखपाल संदीप यादव,असित यादव,वैभव सत्यार सहित कई लोग मौजूद रहे।

करहल में सीआरएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

करहल। सीआरएस पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने हाथों से सुंदर-सुंदर राखियां तैयार कीं और विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की कलाई पर राखी बांधी।

रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत करने का संदेश दिया। वहीं छात्रों ने छात्राओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और जमकर आनंद लिया। बच्चों द्वारा स्वयं तैयार की गई रंग-बिरंगी राखियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार यादव ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, स्नेह और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति लगाव बढ़ता है। विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने के साथ-साथ उनमें आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार के संस्थापक सुघर सिंह, शकुंतला देवी, निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार यादव, प्रधानाचार्य दीप्ति यादव सहित अर्पित, अतुल, प्रिंस शर्मा, रिषभ, शिवम, ज्योति, सपना, राजनंदनी, कुमकुम, खुशी, रिया, अनुष्का, साक्षी, करिश्मा, अंशु और दामिनी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मिलावटी और दूषित खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान, 35 हजार रुपये से अधिक की मिठाई नष्ट

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

रक्षाबंधन त्योहार के दृष्टिगत मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने मंगलवार को अभियान चलाया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आदेश तथा जिलाधिकारी मैनपुरी के निर्देशों के क्रम में यह कार्रवाई सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय डॉ. श्वेता सैनी के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ए.के. पाठक के नेतृत्व में की गई।

अभियान के दौरान करीमगंज स्थित गुप्ता मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। यहां से खोया का एक नमूना संग्रहित किया गया। दुकान में रखी करीब 10 किलोग्राम दूषित बर्फी, 5 किलोग्राम फफूंद लगी लड्डू, चार पैकेट अवधिपार दही तथा करीब 20 किलोग्राम खराब सूजी सहित लगभग पांच हजार रुपये मूल्य की खाद्य सामग्री को नष्ट कराया गया।

इसके बाद बालाजी मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया। यहां से खोया का एक नमूना संग्रहित किया गया। स्टोर में निकास पंखा लगवाने तथा साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए गए।

कुरावली जीटी रोड स्थित श्रीमहावीर मिष्ठान भंडार एवं नमकीन की दुकान के निरीक्षण के दौरान स्टोर में अत्यधिक गंदगी पाई गई। खाद्य पदार्थों का अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारण भी पाया गया। टीम ने दुकान से रंगीन छेना रसगुल्ला का एक नमूना संग्रहित किया। इसके अलावा करीब एक कुंतल खराब एवं दूषित मिठाई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 25,500 रुपये थी, नष्ट कराई गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दुकान की खराब साफ-सफाई को गंभीरता से लेते हुए उसे साफ-सफाई होने तक बंद करा दिया। संचालक को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि समुचित साफ-सफाई के बाद ही खाद्य कारोबार दोबारा संचालित किया जाए।

अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ब्रजेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार एवं इंद्रजीत सिंह शामिल रहे। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि त्योहार के दौरान मिलावटी एवं खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

करहल में रक्षाबंधन पर्व के साथ पूर्व प्रशासिका दादी रामा देवी की पुण्यतिथि मनाई

टीएनएफ टुडे, करहल।

जैन इंटर कॉलेज के निकट स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के कार्यालय पर रक्षाबंधन का पवित्र पर्व श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की बीके निधि बहन एवं तेजस्वनी बहन ने उपस्थित भाई-बहनों को राखी बांधकर रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व का संदेश दिया। साथ ही संस्था की पूर्व प्रशासिका दादी रामा देवी की पुण्यतिथि भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

कार्यक्रम में बीके निधि बहन ने कहा कि नर और नारी से पहले हम सभी आत्मा हैं। रक्षाबंधन केवल धागे का बंधन नहीं, बल्कि पवित्रता, मयार्दा, आत्मिक सुरक्षा और आपसी प्रेम का बंधन है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नारी और पुरुष को एक-दूसरे के प्रति सम्मान की दृष्टि रखनी चाहिए तथा काम, क्रोध, मोह, ईर्ष्या और द्वेष जैसी नकारात्मक भावनाओं से बचकर चलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का संदेश निर्विकारी और पवित्र जीवन जीने का है। जो राखी बांधी जाती है, उसका संकल्प यह होना चाहिए कि हर नारी को सम्मान दिया जाए और सभी को समान दृष्टि से देखा जाए। दोनों ओर से मन में सुरक्षित, शुद्ध और सकारात्मक विचार होने चाहिए। मयार्दा के बंधन में बंधकर ही रक्षाबंधन के वास्तविक उद्देश्य को समझा जा सकता है।

बीके निधि बहन ने कहा कि सच्चा बंधन मन का बंधन है, जो आपसी प्रेम और सद्भाव को मजबूत करता है। आत्मिक सुरक्षा का भाव ही रक्षाबंधन की वास्तविक भावना है। उन्होंने नशा मुक्ति का संदेश देते हुए कहा कि व्यक्ति को सबसे पहले स्वयं का मित्र बनना चाहिए और सकारात्मक विचारों को अपनाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवन के लिए प्रतिदिन सुबह उठकर कम से कम 15 मिनट ध्यान-साधना करनी चाहिए। साथ ही अपने चरित्र और व्यक्तित्व को बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। अच्छे संस्कार, पवित्र विचार और संयमित जीवन ही समाज को स्वस्थ दिशा दे सकते हैं।

कार्यक्रम में पूर्व प्रशासिका दादी रामा देवी के जीवन और उनके योगदान को भी याद किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके बताए आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

पीएचसी कुसमरा का सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण, अनुपस्थित लैब टेक्नीशियन का वेतन काटने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, कुसमरा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरसी गुप्ता ने मंगलवार को दोपहर 12:55 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेडिकल ऑफिसर डॉ. रवि मोहन सिंह मरीजों को चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करते मिले। उन्होंने बताया कि अब तक 32 मरीजों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन अरिदमन प्रताप सिंह तीन दिन से अनुपस्थित पाए गए। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय भदौरिया को अनुपस्थित दिनों का वेतन काटने के निर्देश दिए।

पीएचसी पर तैनात स्टाफ नर्स नेहा कुमारी और रचना कुमारी से संस्थागत प्रसव के संबंध में जानकारी ली गई। पूछताछ में सामने आया कि उनके द्वारा निर्धारित लक्ष्य की तुलना में काफी कम संस्थागत प्रसव कराए गए हैं। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने फोन के माध्यम से 102 एम्बुलेंस के प्रबंधक अभिषेक प्रताप सिंह को निर्देश दिए कि कुसमरा तथा आसपास के ग्रामों की गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमरा तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके बाद डॉ. गुप्ता ने बाह्य रोगी विभाग, भंडार कक्ष, प्रयोगशाला, टीकाकरण कक्ष एवं प्रसव कक्ष सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रखने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रभारी जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी रविंद्र सिंह गौर, फार्मासिस्ट कुलदीप सिंह चौहान सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कूल वाहनों की जांच को लेकर यातायात पुलिस का विशेष अभियान

मैनपुरी। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जनपद में यातायात पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक मैनपुरी के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान स्कूलों में संचालित वाहनों की रैंडम चेकिंग की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर/यातायात अरुण कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक यातायात दीपशिखा सिंह, एआरटीओ सिद्धार्थ यादव एवं यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान विशेष रूप से स्कूलों में अवैध रूप से संचालित वाहनों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस के अनुसार अभियान के दौरान कुल 210 वाहनों के चालान किए गए तथा 6 लाख 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इसके अलावा नियमों का गंभीर उल्लंघन करने वाले 10 वाहनों को सीज किया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम ने वाहन चालकों और आमजन को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक भी किया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि बच्चों को स्कूल ले जाने वाले वाहनों में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखें और बिना आवश्यक दस्तावेजों अथवा मानकों के संचालित वाहनों का प्रयोग न करें।

बरनाहल पुलिस की प्रभावी पैरवी से हत्या मामले में अभियुक्त को उम्रकैद

मैनपुरी। थाना बरनाहल पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के मामले में न्यायालय ने एक अभियुक्त को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार थाना बरनाहल में वर्ष 2024 में मुकदमा अपराध संख्या 60/2024 धारा 498ए, 304बी, 302 भादवि तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामले में केशोपुर निवासी सचिन पुत्र चंद्रप्रकाश अभियुक्त था। पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। जिसके परिणामस्वरूप अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या-06, मैनपुरी ने 25 अगस्त 2026 को अभियुक्त सचिन को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास तथा 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। मैनपुरी पुलिस ने बताया कि न्यायालयों में लंबित अभियोगों में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

करहल में सीआरएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

करहल। सीआरएस पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने हाथों से सुंदर-सुंदर राखियां तैयार कीं और विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की कलाई पर राखी बांधी। रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूत करने का संदेश दिया। वहीं छात्रों ने छात्राओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और जमकर आनंद लिया। बच्चों द्वारा स्वयं तैयार की गई रंग-बिरंगी राखियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार यादव ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, स्नेह और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति लगाव बढ़ता है। विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को सामने लाने के साथ-साथ उनमें आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार के संस्थापक सुघर सिंह, शकुंतला देवी, निदेशक डॉ. रविंद्र कुमार यादव, प्रधानाचार्य दीप्ति यादव सहित अर्पित, अतुल, प्रिंस शर्मा, रिषभ, शिवम, ज्योति, सपना, राजनंदनी, कुमकुम, खुशी, रिया, अनुष्का, साक्षी, करिश्मा, अंशु और दामिनी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : जिलाधिकारी

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने मंगलवार को तहसील सदर परिसर स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन वेयर हाउस की बाह्य सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि वेयर हाउस में लगे सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे क्रियाशील रहने चाहिए। खराब कैमरों को तत्काल बदलवाया जाए तथा कम से कम एक माह की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग प्रत्येक दशा में सुरक्षित रखी जाए।

उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि अपनी-अपनी पाली में वेयर हाउस के चारों ओर घूमकर नियमित निगरानी करें। वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साथ ही परिसर की नियमित रूप से साफ-सफाई कराने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम अरुण सिंह, सहायक अभियंता आरईएस, निर्वाचन कार्यालय से अविनाश सक्सैना, सुनील मिश्रा, प्रवीण पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

17 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र, किसानों की सेवा को बताया पहली जिम्मेदारी

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन सेवा आयोग से चयनित अधीनस्थ कृषि सेवा वर्ग-03 के प्राविधिक सहायक समूह-ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इसके बाद कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने जनपद के 17 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार विभिन्न आयोगों के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरा कर रही है। योग्यता और क्षमता के आधार पर चयनित युवाओं को सरकारी सेवा में आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र मिलना केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि किसानों और समाज के प्रति नई जिम्मेदारी की शुरूआत है।

उन्होंने नवचयनित प्राविधिक सहायकों से कहा कि अब उनके कंधों पर अन्नदाता किसानों तक शासन की योजनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी के रूप में वे किसानों से निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझें तथा वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से खेती को अधिक लाभकारी बनाने में सहयोग करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासकीय सेवा में आने के बाद सभी कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन से करें। सरकारी नौकरी को केवल निर्धारित समय तक की ड्यूटी न समझें, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर शासकीय कार्य के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी निभाने के लिए सदैव तैयार रहें। राष्ट्र और प्रदेश की सेवा के प्रति सजग रहना ही सरकारी सेवा की मूल भावना है।

उन्होंने कहा कि चयनित युवाओं में उच्च शैक्षिक योग्यता और कृषि से संबंधित ज्ञान है। कई अभ्यर्थियों ने कृषि की विभिन्न शाखाओं में उच्च शिक्षा और शोध किया है। ऐसे में उनकी भूमिका केवल नियमित कार्यों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अपनी शिक्षा, अनुभव और वैज्ञानिक सोच का उपयोग किसानों की खेती में नए प्रयोग और नवाचार को बढ़ावा देने में करें।

प्राविधिक सहायकों को न्याय पंचायत स्तर पर किसानों की बैठक और चौपाल आयोजित करने तथा उन्हें नई कृषि तकनीकों की जानकारी देने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रगतिशील एवं अनुभवी किसानों की सफल कृषि पद्धतियों को अन्य किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि कम लागत में अधिक उत्पादन, कृषि यंत्रीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, नई फसल प्रजातियों और आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना आवश्यक है।

डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने, जैविक खाद के प्रयोग और संतुलित कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि खेती की लागत घटाकर किसानों की आय बढ़ाई जा सके।

उन्होंने नवचयनित कर्मचारियों से किसी प्रकार की सिफारिश अथवा व्यक्तिगत प्रभाव के माध्यम से मनचाही तैनाती या सुविधा प्राप्त करने की प्रवृत्ति से बचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार केवल धन का लेन-देन नहीं है, बल्कि अनुचित तरीके से अपने हित में व्यवस्था को प्रभावित करना भी भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है। सभी कर्मचारी निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ सेवा करने का संकल्प लें।

390 किलो मिलावटी पनीर नष्ट, डेयरी संचालक के खिलाफ तहरीर

पनीर में पामोलीन ऑयल, मिल्क पाउडर और संदिग्ध रसायन मिलने से मचा हड़कंप

- खाद्य सुरक्षा टीम की छापेमारी में आठ विधिक और तीन सर्वे नमूने लिए गए

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

शहर में मिलावटी पनीर के कारोबार की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सैलई रोड स्थित ओम साक्षी डेयरी पर छापेमारी की। जांच के दौरान मौके पर करीब 390 किलोग्राम पनीर बिक्री के लिए रखा मिला। टीम ने पनीर निर्माण में रिफाइंड पामोलीन ऑयल, स्किम्ड मिल्क पाउडर, खोवा, मिश्रित दूध और अन्य संदिग्ध पदार्थों के इस्तेमाल का भी दावा किया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पनीर को मिलावटी होने के संदेह में जनहित में नष्ट करा दिया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओमवीर सिंह के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि मोहल्ला जय जय राम वाली कॉलोनी निवासी उमाशंकर की सैलई रोड स्थित ओम साक्षी डेयरी में मिलावटी पनीर तैयार कर बिक्री किया जा रहा है। सचल दल ने प्रतिष्ठान पर औचक छापेमारी की।

मौके पर उमाशंकर मौजूद मिले और उन्होंने खुद को प्रतिष्ठान का जिम्मेदार व्यक्ति बताया। जांच के दौरान एक कमरे में दो ड्रम और एक रेफ्रिजरेटर में क्रमशः 70, 120 और करीब 200 किलोग्राम पनीर रखा मिला। इसके अलावा गोदाम में रिफाइंड पामोलीन ऑयल के खाली टिन, स्किम्ड मिल्क पाउडर, खोवा, घी, मिश्रित दूध, सैफोलाइट और सफेद रंग का अज्ञात रसायन भी मिला। टीम के मुताबिक इन पदार्थों का इस्तेमाल पनीर बनाने में किया जा रहा था।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच के लिए पनीर के तीन, घी, स्किम्ड मिल्क पाउडर, मिश्रित दूध, खोवा और सैफोलाइट के एक-एक नमूने समेत कुल आठ विधिक नमूने लिए। मात्रा कम होने के कारण रिफाइंड पामोलीन ऑयल, डाबर गुलाबरी रोज वाटर और सफेद अज्ञात रसायन के तीन सर्वे नमूने भी लिए गए।

नमूने लेने के बाद मौके पर बची संदिग्ध सामग्री को अभिग्रहित कर खाद्य कारोबारी की अभिरक्षा में दिया गया। वहीं बिक्री के लिए रखा करीब 390 किलोग्राम पनीर मिलावटी होने के संदेह में खाद्य कारोबारी की सहमति से जनहित में नष्ट करा दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उमाशंकर के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के लिए थाना कोतवाली कासगंज में तहरीर दी है। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी करने वाली टीम में एसीएफ अलीगढ़ मंडल अजय कुमार जायसवाल, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुलदीप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रतिमा त्रिपाठी, सुरेंद्र कुमार गोंड, डॉ. विकास कुमार और प्रियेश कुमार सिंह शामिल रहे।

देर रात तक सजी शेरो-सुखन की महफिल, शायरों ने बांधा समां

- बुजुर्ग शायर इशराक अहमद कैफ बिलरामी के आवास पर हुआ मुशायरा
- स्थानीय और बाहरी शायरों ने पेश की रचनाएं

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

मोहल्ला नवाब में नवगठित साहित्यिक संस्था बज्मे-मुहब्बत शेरो-सुखन-कासगंज के तत्वाधान में बुजुर्ग शायर इशराक अहमद कैफ बिलरामी के आवास पर काव्य गोष्ठी एवं महफिले मुशायरा आयोजित की गई। इसमें स्थानीय समेत बाहर से आए शायरों और साहित्यप्रेमी श्रोताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मु. मियां 'वफा' ने की, जबकि संचालन अ. कदीर 'ज़िया' ने किया। मुशायरे का आगाज हसनैन 'शाद' बिलरामी ने नाते-पाक प्रस्तुत कर किया। इसके बाद देर रात तक शायरों ने अपनी रचनाओं से महफिल में समां बांध रखा। इशराक अहमद कैफ बिलरामी ने पढ़ा, "तू ही सबका मालिक है तू ही सबका दाता है, तू ही हर सफीने को पार पर लगाता है।" वहीं मु. साजिद कुरैशी ने कुरआन की तिलावत के महत्व पर रचना प्रस्तुत की।

डॉ. महमूद गजनवी 'कुर्बानिया' ने दोस्ती पर शेर पढ़कर दाद बटोरी। दिलशाद अहमद 'उरूज' कासगंजवी ने कहा, "हम जलजलों के मोड़ पे रहते हैं आज भी, तूफां के डर से हमने किनारा नहीं किया।" हसनैन अहमद 'शाद' बिलरामी ने उर्दू गजल की बहार और इल्मो-हुनर पर अपनी रचना पेश की। अनवर कैफ, अ. कदीर 'ज़िया' और डॉ. मु. मियां 'वफा' ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। इनके अलावा एस.एस. खान और गुलजार अहमद खान ने भी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के अंत में आयोजक दिलशाद अहमद 'उरूज' कासगंजवी ने सभी शायरों और श्रोताओं का माल्यार्पण कर आभार जताया। इस दौरान शारिक अली, अब्दुल रशीद खान, शमसुद्दीन, राजू कैफ, डॉ. अकबर कैफ समेत बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी मौजूद रहे।

विदाई में निजी स्टाफ के योगदान को याद कर भावुक हुईं संगीता सिंह

अलीगढ़। मंडलायुक्त संगीता सिंह ने विदाई समारोह में अपने निजी स्टाफ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी अधिकारी के कार्यकाल को सफल बनाने में व्यक्तिगत स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने पेशकार अरुण कुमार, वैयक्तिक सहायक विकास गंगल और अर्दली जसवंत एवं प्रदीप के समर्पण को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने कहा कि पेशकार अरुण कुमार ने पूरी जिम्मेदारी से न्यायालयीय कार्यों का निर्वहन किया, जबकि उनसे उम्र में काफी छोटे वैयक्तिक सहायक विकास गंगल ने दायित्वों से आगे बढ़कर पिता की तरह उनकी हर छोटी-बड़ी जरूरत का ख्याल रखा। जसवंत और प्रदीप के सहयोग की भी उन्होंने सराहना की। विदाई के बाद जब वह शासकीय वाहन की ओर बढ़ीं तो नजदीक खड़े सूचना फोटोग्राफर विकास भारद्वाज से आत्मीय अंदाज में बोलीं हरगुजी, अब चलते हैं। उनका यह सहज संबोधन भावुक विदाई के बीच आत्मीयता की यादगार तस्वीर छोड़ गया।

अध्यक्ष जिला पंचायत की अध्यक्षता सिंचाई बन्धु की बैठक संपन्न

अलीगढ़। अध्यक्ष जिला पंचायत विजय सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में सिंचाई बन्धु की बैठक आहुत की गई। मा0 अध्यक्ष ने स्पष्ट कि बैठक में सक्षम अधिकारी ही प्रतिभाग करें। उन्होंने गत बैठक में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण की फोटो सहित विस्तृत आख्या और यदि कार्य न हुआ हो तो इसका भी स्पष्ट कारण लिखित रूप में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि संबंधित का दायित्व निर्धारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी ईमानदारी से कार्य करें, अगर किसी भी स्तर पर कोई समस्या है तो उससे अवगत कराया जाए, कहीं भी संवादहीनता की स्थिति नहीं होनी चाहिए। बैठक में किसानों ने जर्जर विद्युत पोल बदलवाए जाने, विद्युत वितरण उपखण्ड द्वितीय के कार्यालय को छर्रा में स्थापित किए जाने, थाना बरला के ग्राम बाबूपुर में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने अहिवासी भांकरी, दिहाली पर लहटोई ड्रेन को कब्जामुक्त कराए जाने, ग्रामीण क्षेत्र में रात्रि में विद्युत कटौती से निजात दिलाने, हरदुआगंज रजवाहा में टेल तक पानी पहुँचाने की शिकायतें प्राप्त हुईं। अध्यक्ष जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों को किसानों द्वारा उठाई गई समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसान भाई बड़ी उम्मीद के साथ बैठक में आते हैं उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता ही नहीं नैतिक जिम्मेदारी भी है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी योगेन्द्र कुमार, जिला कृषि अधिकारी धीरेन्द्र सिंह चौधरी, अधिशासी अभियंता विद्युत श्रवण कुमार सहित सिंचाई विभाग से स्टेनो प्रवीन कुमार समेत किसान चौ0 नवाब सिंह, प्रमोद कुमार वर्मा एवं अन्य अधिकारी व किसान बन्धु उपस्थित रहे।

शहर में स्थापित कराई जाए महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा

श्री अग्रवाल सभा के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से की मुलाकात

- प्रतिमा लगाए जाने के लिए स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

श्री अग्रवाल सभा, कासगंज के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर युगपुरुष महाराजा अग्रसेन जी की भव्य प्रतिमा नगर के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किए जाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रतिमा की गरिमा के अनुरूप उपयुक्त स्थान चिन्हित कर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

समाज के लोगों ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का जीवन सामाजिक समरसता, समानता, सहयोग, उद्यमशीलता एवं जनकल्याण के आदर्शों को समर्पित रहा। उनके सिद्धांत आज भी समाज को एकता, सेवा और परस्पर सहयोग की प्रेरणा देते हैं। नगर के प्रमुख स्थल पर उनकी प्रतिमा स्थापित होने से नई पीढ़ी उनके आदर्शों एवं विचारों से परिचित होगी और जनमानस तक उनका प्रेरणादायी संदेश पहुंचेगा।अ प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन से इस प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए शीघ्र स्थान चयन की प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया। इस अवसर परअग्रवाल सभा के संरक्षक अखिलेश अग्रवाल सराफ ,संजीव अग्रवाल , अशोक अग्रवाल, संजय , अध्यक्ष पवन गोयल, महामंत्री मयंक बंसल, कोषाध्यक्ष युगल बंसल, प्रबंधक मयंक मित्तल व अनन्त गोयल, विपिन गर्ग, अशोक सर्राफ, मदन गोपाल, मयंक गोयल,शुभम गोयल, अंशुल अग्रवाल, विनम्र गोयल, वरूण गोयल, संजीव अग्रवाल , मयंक बिंदल ,अनुराग बिंदल, प्रशांत अग्रवाल आदि समाज के लोग उपस्थित रहे।

चौके तक पहुंचा बाढ का पानी, घर-गृहस्थी बेहाल

- गंगा के बढ़ते जलस्तर से घरों में घुसा पानी
- आवागमन को नाव बनी हुई है ग्रामीणों की मजबूरी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, पटियाली।

गंगा के घटते-बढ़ते जलस्तर ने तटीय गांवों में जिंदगी का चैन छीन लिया है। गांव नगला खना में मंगलवार को बाढ़ का पानी घरों के चौके तक पहुंच गया। जिन चौकों में कभी परिवार के लिए खाना पकता था और घर की रसोई से भोजन की खुशबू आती थी, वहां अब बाढ़ का पानी है। घर के आंगन से लेकर चौके तक पानी देखकर ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

वहीं बाढ़ का पानी घरों के आसपास जमा होने से रोजमर्रा की जिंदगी पूरी तरह प्रभावित हो गई है। जहाँ एक ओर घर से बाहर निकलना मुश्किल है तो वही अब घर के भीतर भी हालात सामान्य नहीं हैं। पानी के बढ़ते स्तर ने ग्रामीणों के सामने खाने-पीने से लेकर जरूरी कामकाज तक की मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। वहीं नगला खना के साथ मूंजखेड़ा, नगला दुर्जन, नगला नरपत, नगला पदम और नगला जयकिशन समेत कई गांवों में भी बाढ़ का पानी रास्तों पर फैला हुआ है। रास्ते जलमग्न होने से आवागमन मुश्किल है। पैदल निकलना संभव नहीं है और दोपहिया वाहनों के पहिए थम गए हैं। बाजार से जरूरी सामान लाना हो, अस्पताल जाना हो या किसी दूसरे गांव तक पहुंचना हो, ग्रामीणों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

पानी से घिरे गांवों में नाव अब महज आवागमन का साधन है। ग्रामीण उर्वेश यादव का कहना है कि गंगा का पानी जिस तरह धीरे-धीरे घरों की दहलीज पार करते हुए चौके तक पहुंच रहा है, उसने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। हालात यही रहे तो आने वाले दिनों में मुश्किलें और बढ़ने की आशंका है।

सावन के आखिरी सोमवार को हुआ प्रसादी का वितरण का आयोजन

हाथरस। सावन के आखिरी सोमवार को अलीगढ़ रोड़ स्थित भोले नाथ का वर्ष 1921 का प्राचीन भव्य व दिव्य मंदिर इस मंदिर पर हाथरस नगर ही नहीं जिले से काफी सख्या में भक्त दर्शन करने आते हे आज सावन के आखिरी सोमवार पर सब्जी,पूड़ी व खीर की प्रसादी का वितरण किया गया।साथ ही राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (फ अ ट) पार्टी के महासचिव/प्रभारी निशांत उपाध्याय व मंदिर के सेवक नवल किशोर /नेता जी का विशेष सहयोग रहा ।इस प्रसादी वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से खुशाल,मनोज शर्मा,प्रेम नारायण,पिंकी,नीतू, दर्शना,नवीन कुमार,पिंटू गुप्ता,बिल्लू गुप्ता,पवन आदि का सराहनीय सहयोग रहा। प्रसादी देर रात 10बजे तक वितरित की गई।

पात्रों को बिना परेशानी दें बैंकिंग योजनाओं का लाभ: डीएम

- सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे पात्र
- जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंकवार विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत ऋण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, स्वयं सहायता समूहों के सीसीएल सहित अन्य स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं में ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र लाभार्थी को अनावश्यक रूप से बैंक के चक्कर न लगाने पड़ें तथा ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि शासन की जनकल्याणकारी एवं रोजगारपरक योजनाओं में अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह ,केनरा बैंक कार्यालय कासगंज के संयोजक, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं:डीएम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, हाथरस।

जिलाधिकारी अतुल वत्स ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को यातायात के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराने एवं स्कूली वाहनों में निर्धारित मानक के अनुरूप छात्रों को बैठाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। किसी भी स्कूली वाहनों में निर्धारित मानक से अधिक छात्रों को न बैठाया जाए। उन्होंने लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से

अधिक बच्चों को न बैठाया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विद्यालयों द्वारा संचालित वाहनों की समय-समय पर जांच करें और यदि कोई वाहन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूली वाहनों/निजी वाहनों से आने वाले बच्चों को विद्यालय परिसर के अंदर ही उतारा जाए तथा छुट्टी के उपरांत बच्चों को परिसर के अंदर से ही वाहनों में बैठाया जाए। इस व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि ई-रिक्शा से बच्चे स्कूल न आएं। इस संबंध में उन्होंने विद्यालय प्रबंधकों को अभिभावकों को जागरूक करने के निर्देश दिए। स्कूली वाहनों द्वारा शासन के निदेर्शों का अनुपालन न किए जाने पर वाहनों का पंजीकरण निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने तालाब चौराहा ओवरब्रिज के दोनों ओर यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित किए जाने हेतु कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही अतिक्रमण बाहुल्य क्षेत्रों में नोटिस के उपरांत अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। शहर की प्रमुख सड़कों पर गड्ढों की मरम्मत कराए जाने के निर्देश दिए। भारी वाहनों को नो-एंट्री में प्रवेश न दिए जाने तथा अभियान चलाकर डग्गामार वाहनों पर नियंत्रण करने, अपंजीकृत वाहनों एवं अवैध वाहन स्टैंडों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी पुलिस, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रभारी अधिकारी एनएचएआई आदि उपस्थित रहे।

युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाला गिरफ्तार

हाथरस। थाना सिकंदराराव क्षेत्र से एक युवती को भगा ले जाने वाले आरोपी को गजियवाद से गिरफ्तार किया है। घटना की एक युवक द्वारा घर से भगा कर ले जाने के संबंध में परिजनों द्वारा सूचना दी गई। प्रकरण में थाना सिकंदराराव पर मु0अ0सं0 605/2026 धारा 87 इठर पंजीकृत किया गया ।विवेचना के दौरान नामजद अभियुक्त शहजान पुत्र जान, निवासी ग्राम मोर्चा नहर, थाना अलीगंज, जनपद एटा, उम्र करीब 21 वर्ष, जो वर्तमान में गाजियाबाद के लाल कुआं क्षेत्र स्थित बिस्कुट फैक्ट्री में कार्य करता है, को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है ।जांच एवं पूछताछ में अभियुक्त के साथ युवती अभियुक्त के पास से बरामद नहीं हुई है। अभियुक्त द्वारा युवती के उसके पास न आने की बात बताई गई है। जांच में यह भी प्रकाश में आया है कि युवती पूर्व में भी दिनांक 26.06.2026 को बिना बताए घर से चली गई थी तथा दिनांक 28.06.2026 को सोनीपत से बरामद होकर परिजनों के साथ वापस आई थी ।वर्तमान प्रकरण में युवती की सकुशल बरामदगी हेतु रड‍ॠ सर्विलांस एवं थाना सिकंदराराव की पुलिस टीम सक्रिय है। पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रकरण की विवेचना निष्पक्ष एवं तथ्यों के आधार पर की जा रही है। युवती की सकुशल बरामदगी हेतु पुलिस द्वारा हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला के चप्पल से पीटने के बाद युवक ट्रेन के आगे कूदा, मौत

टीएनएफ टुडे, कासगंज। पटियाली थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम एक युवक ने ट्रेन से कटकर जान दे दी। घटना से पहले बाजार में एक महिला द्वारा युवक की चप्पल से पिटाई किए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद युवक रेलवे ट्रैक की ओर चला गया। कुछ देर बाद ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मृतक के छोटे भाई हिमांशु ने पुलिस को दी। पटियाली थाना क्षेत्र के गांव निवासी मोनू (37) पुत्र भगवानदास गांव में ही जनरल स्टोर की दुकान चलाता था। परिजनों के अनुसार, सोमवार शाम करीब तीन बजे वह गांव के बाजार में ठेले पर मौजूद था। इसी दौरान उसके साथी की पत्नी वहां पहुंची। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि महिला ने मोनू की चप्पल से पिटाई कर दी। इसके बाद महिला वहां से चली गई। बताया गया कि घटना से आहत मोनू करीब चार बजे अदूपुरा गांव के फाटक से करीब 100 मीटर दूर रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया। इसी दौरान कासगंज से फरुर्खाबाद की ओर जा रही ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मोनू के परिवार में मां आशा देवी, पत्नी प्रीति और दो बेटे सूरज देव (10) व कल्लू (7) हैं।

प्याऊ में तोड़फोड़ से व्यापारियों में रोष

टीएनएफ टुडे, कासगंज। शहर के बाहरद्वारी सोरों गेट स्थित जितेन्द्र फर्नीचर हाउस के बाहर जनसेवा के लिए लगाई गई शीतल जल प्याऊ में असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने से स्थानीय व्यापारियों में भारी रोष है। घटना 23/24 अगस्त की मध्य रात्रि करीब 12:19 बजे की बताई जा रही है। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वायरल सीसीटीवी फुटेज में कुछ युवक नशे की हालत में वाटर कूलर को उखाड़ने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं। अराजकतत्वों ने प्याऊ को क्षतिग्रस्त करने के साथ ही बराबर में स्थित डॉ. नवीन गौड़ की दुकान के नल के पाइप भी उखाड़ दिए। घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाटर कूलर की तत्काल मरम्मत कराकर उसे दोबारा चालू करा दिया गया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि मुख्य बाजार में इस तरह की गुंडागर्दी और तोड़फोड़ से व्यापारियों व आम जनता में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। व्यापार मंडल ने पुलिस प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

तमंचा लहराकर युवक ने की फायरिंग, वीडियो हुआ वायरल

एटा। थाना नयागांव क्षेत्र के नगला गंजी गांव में फायरिंग का एक वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वीडियो में एक युवक हाथ में तमंचा लिए फायरिंग करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वीडियो में फायरिंग करता दिखाई दे रहा युवक कौन है और यह वीडियो कब तथा कहां बनाया गया था। साथ ही घटनास्थल की भी पुष्टि की जा रही है।

थाना नयागांव के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि नगला गंजी बॉर्डर का गांव है।

सातवें दिन गूंजा सती चरित्र एवं दक्ष यज्ञ का प्रसंग, भोले बाबा के 1000 नामों का हुआ संकीर्तन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सिकंदराराऊ।

कासगंज रोड स्थित समाजसेवी आकाश दीक्षित के ममता फार्म हाउस पर चल रहे भव्य श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन कथा व्यास सतगुरु शरण देव महाराज अयोध्याधाम ने श्रद्धालुओं को सती चरित्र एवं दक्ष यज्ञ का विस्तृत प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान भगवान भोलेनाथ के 1000 नामों की माला का संकीर्तन भी किया गया, जिससे पूरा कथा पंडाल हर-हर महादेव के जयकारों और भक्ति रस से गूंज उठा।

सातवें दिन कथा का शुभारंभ व्यास पीठ पूजन एवं आरती के साथ हुआ। व्यास पीठ का पूजन सपा नेता धीरज पांडे, धर्मेन्द्र सिंह पीलू ब्लॉक प्रमुख हसायन एवं प्रोअर्थ आयुर्वेद के मालिक गिरजाशंकर शर्मा, कचौरा वाले ने सामूहिक रूप से किया। आयोजक आकाश दीक्षित ने सभी अतिथियों का माला एवं पटका पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कथा व्यास महाराज ने सती चरित्र के माध्यम से भगवान शिव के प्रति भक्ति, समर्पण और श्रद्धा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता। दक्ष यज्ञ के प्रसंग के माध्यम से उन्होंने बताया कि अहंकार मनुष्य के विनाश का कारण बनता है और भगवान शिव का अपमान करने का परिणाम अत्यंत दुखद होता है। माता सती के त्याग, तपस्या और भगवान शिव के प्रति अटूट समर्पण का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा के पश्चात भगवान भोलेनाथ के 1000 नामों का संकीर्तन कराया गया। श्रद्धालुओं ने एकाग्र भाव से भगवान शिव के नामों का जाप किया और पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण शिवमय हो उठा। महाराज ने श्रद्धालुओं से भगवान शिव के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने तथा परिवार एवं समाज में प्रेम, सद्भाव, संस्कार और आपसी भाईचारा बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिव की भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि शिव के बताए मार्ग पर चलना और प्रत्येक जीव के प्रति करुणा एवं सम्मान रखना भी सच्ची शिवभक्ति है। कथा पंडाल में सातवें दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। भजनों, संकीर्तन और भगवान शिव के जयकारों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर विवेक दुबे, प्रशांत शर्मा, निशांत चौहान राष्ट्रवादी, रिंकू शर्मा, दुर्वेश पचौरी, सत्यप्रकाश उपाध्याय, मोहित बघेल, राधेश्याम राजपूत, पुरुषोत्तम शर्मा, सतीश शर्मा, ओमकार सिंह चौहान, शिवम दीक्षित, राजुल भारद्वाज, कुलदीप पचौरी, भोला माहेश्वरी, शांति आदि।

रुचि और क्षमता अनुसार लक्ष्य तय करें छात्रः डीएम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

प्रदेश के युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत श्री सूरज प्रसाद डागा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में एक विशेष संवाद व मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों से निपटने और लक्ष्य हासिल करने के टिप्स दिए।

छात्रों को प्रेरित करते हुए जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने कहा कि युवा ही देश और प्रदेश के भविष्य का निर्माण करते हैं। जीवन में किसी भी मुकाम को हासिल करने के लिए अनुशासन, लगातार सीखने की ललक और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार स्पष्ट लक्ष्य तय करने और आत्मविश्वास के साथ निरंतर परिश्रम करने का आह्वान किया। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएं और सवाल भी डीएम के सामने रखे, जिनका उन्होंने बेहद सहजता से समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, व्यक्तित्व विकास और उपलब्ध अवसरों का सही उपयोग करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक रजनेश कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. भूपेन्द्र कुमार सिंह सहित समस्त शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भारत ने श्रीलंका को बैकफुट पर धकेला

मेजबानों पर अब भी फॉलोऑन का खतरा बरकरार; स्कोर 265/8

एजेंसी, कोलंबो।

भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के तीसरे दिन बारिश ने खेल में खलल डाल दिया। बारिश के कारण मंगलवार को समय से पहले स्टंप्स की घोषणा करनी पड़ी। दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने पहली पारी में 83.4 ओवर में 265 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। श्रीलंका अभी भी भारत के पहली पारी के विशाल स्कोर से 238 रन पीछे है। भारत ने अपनी पहली पारी 503 रन पर नौ विकेट के नुकसान पर घोषित की थी। श्रीलंका को अभी भारत से फॉलोऑन बचाने के लिए 39 रनों की जरूरत है।

दिनूषा ने फिर दिखाई जुझारू बल्लेबाजी

25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज सोनल दिनूषा ने एक बार फिर मुश्किल परिस्थितियों में शानदार धैर्य दिखाया। उन्होंने 84 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और भारतीय गेंदबाजों का करीब 201 मिनट तक डटकर सामना किया।

प्रसिद्ध कृष्णा ने बाउंसर और यॉर्कर से उन्हें परेशान करने की कोशिश की, जबकि मानव सुथार, रवींद्र जडेजा और सारांश जैन ने स्पिन के जरिए दबाव बनाने का प्रयास किया। हालांकि दिनूशा ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया।

दिनूषा ने पहले केशरा नुवान्था के साथ आठवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। नुवान्था ने 74 गेंदों का सामना करते हुए भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक परेशान किया। इसके बाद दिनूषा ने लाहिरू कुमारा के साथ नौवें विकेट के लिए अब तक 35 रन जोड़ लिए हैं।

सूरियाबंदारा की शानदार 80 रन की पारी

दिनूषा से पहले पसिंदु सूरियाबंदारा ने श्रीलंका की पारी को संभालने में अहम भूमिका निभाई। दूसरे टेस्ट में अपना दूसरा मुकाबला खेल रहे सूरियाबंदारा ने 80 रन की बेहतरीन पारी खेली।

उन्होंने कामिंदु मेंडिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी की। सूरियाबंडारा ने 76 गेंदों में अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया और पूरे आत्मविश्वास के साथ भारतीय गेंदबाजों का सामना किया।

हालांकि रवींद्र जडेजा की गेंद पर प्वाइंट की दिशा में शॉट खेलने की कोशिश में सूरियाबंडारा के स्टंप बिखर गए। इसके दो रन बाद मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को आउट कर भारत को एक और सफलता दिलाई।

भारत ने बीच के सत्र में बनाई पकड़

दिन की शुरूआत श्रीलंका ने 8 विकेट खोकर नहीं बल्कि 2 विकेट पर 8 रन से की थी और भारत को उम्मीद थी कि वह जल्द ही मेजबान टीम को समेट देगा। प्रसिद्ध कृष्णा ने सुबह के सत्र में कामिल मिशारा को 19 रन पर आउट कर भारत को अच्छी शुरूआत दिलाई।

इसके बाद सूरियाबंदारा और कामिंदु मेंडिस ने करीब दो घंटे तक भारतीय गेंदबाजों को विकेट से दूर रखा। मेंडिस ने मानव सुथार की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर किए। हालांकि प्रसिद्ध कृष्णा ने एक तेज और उछाल भरी गेंद पर मेंडिस को मिडविकेट पर जडेजा के हाथों कैच करा दिया। इस विकेट के बाद भारत ने फिर से मैच पर पकड़ मजबूत की।

सुथार और जडेजा ने दिलाए अहम विकेट

मानव सुथार ने धनंजय डी सिल्वा को आउट कर भारत को महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। सुथार की गेंद पर डी सिल्वा ने स्लिप में केएल राहुल को कैच थमाया, जिसे राहुल ने दूसरे प्रयास में लपक लिया। इसके बाद जडेजा ने सूरियाबंदारा को आउट किया, जबकि सिराज ने डिकवेला का विकेट हासिल किया। एक समय श्रीलंका 216 रन पर सात विकेट गंवा चुका था और भारत को लगा कि पारी जल्द समाप्त हो जाएगी। लेकिन दिनूषा और निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

भारत की पुरानी परेशानी फिर सामने आई

श्रीलंका के निचले क्रम के बल्लेबाजों के खिलाफ भारतीय गेंदबाजों की परेशानी एक बार फिर देखने को मिली। 216 रन पर सात विकेट गंवाने के बाद श्रीलंका ने दिन का खेल 265/8 के स्कोर पर खत्म किया। दिनूषा की 85 रन की नाबाद पारी ने श्रीलंका को फॉलोऑन के खतरे से काफी हद तक बाहर निकलने का मौका दिया है। भारत को अब चौथे दिन जल्द से जल्द आखिरी दो विकेट हासिल करने होंगे, जबकि श्रीलंका की नजरें फॉलोऑन बचाने के साथ भारत की बढ़त को कम करने पर होंगी।

मैदान पर वापसी: अनाया बांगड़ ने कहा- अब ऑस्ट्रेलिया में एलीट क्रिकेट खेल सकती हूं,

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने दावा किया है कि अब वह मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हैं। अगर वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर अपने प्रदर्शन से प्रभावित करती हैं, तो उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। अनाया ने कहा कि क्रिकेट में वापसी की संभावना उनके लिए बेहद भावुक पल है। ट्रांजिशन के बाद उन्हें क्रिकेट से दूर होना पड़ा था और एक समय उन्हें लगा था कि उनका क्रिकेट करियर खत्म हो गया है।

'मुझे लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया'

बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में अनाया ने कहा कि क्रिकेट बचपन से ही उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ऐसे में दोबारा मैदान पर उतरने की संभावना उनके लिए सिर्फ किसी महिला लीग में खेलने का मौका नहीं, बल्कि अपने पसंदीदा खेल में लौटने का अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं अब मार्च 2027 से ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेलने के लिए पात्र हूं। मेरे लिए यह बेहद भावुक पल है, क्योंकि एक समय मुझे सच में लगा था कि मैंने क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया है।' अनाया के मुताबिक, ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके जीवन के सबसे कठिन अनुभवों में से एक था। अब उनका लक्ष्य प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर खुद को एक बार फिर साबित करना है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नीति से खुला रास्ता

- ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की ट्रांसजेंडर और जेंडर-डाइवर्स खिलाड़ियों को लेकर समावेशी नीति है।
- इसकी गाइडलाइंस में कम्युनिटी क्रिकेट और एलीट क्रिकेट के बीच अंतर किया गया है और डब्ल्यूबीबीएल को एलीट प्रतियोगिता के तौर पर वर्गीकृत किया गया है।
- अनाया का कहना है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में एलीट महिला क्रिकेट खेलने की दिशा में आगे बढ़ने की अनुमति दी है। हालांकि, डब्ल्यूबीबीएल में जगह मिलना अभी तय नहीं है।
- उन्होंने कहा कि उनका अगला लक्ष्य खुद को शारीरिक और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि किसी डब्ल्यूबीबीएल फ्रेंचाइजी की नजर में वह चयन की दावेदार बन सकें।

मनोरंजन

चोट के बाद पहली बार नजर आईं रश्मिका

बीते दिनों रश्मिका मंदाना को फिल्म 'मायसा' की शूटिंग के दौरान चोट लगी थी। मगर अब एक्ट्रेस इससे उबर चुकी हैं। इस हादसे के बाद रश्मिका पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। इस दौरान उनके पति विजय देवरकोंडा भी एक्ट्रेस का हाथ थामे दिखे।

कहां पहुंचे रश्मिका और विजय?

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा हाल ही में साउथ के मशहूर निमार्ता निरंजन रेड्डी के बेटे की सगाई में एक साथ नजर आए। दोनों हाथों में हाथ डाले मुस्कुराते हुए इस आयोजन में शामिल हुए। यह इवेंट हैदराबाद में आयोजित हुआ था।

मैचिंग आउटफिट में पहुंचा कपल

हैदराबाद में हुए इस सगाई समारोह में रश्मिका और विजय एक बार फिर कपल गोल्स सेट करते नजर आए। रश्मिका ने जहां इस इवेंट के लिए ब्लैक कलर का गोल्डन जरी वाला लहंगा चुना था। वहीं विजय भी ब्लैक आउटफिट्स में नजर आए।

बात करें एक्ट्रेस के मेकअप और गहनों की तो खुले बालों और गोल्डन ज्वैलरी में वह काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं। दोनों के वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गए।

कई दिनों तक घर पर किया आराम

बता दें, कुछ समय पहले ही एक्ट्रेस की हिप सर्जरी हुई है। इसके बाद से वह कई दिनों तक घर पर आराम कर रहीं थी। अब वह सर्जरी के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आईं।

इससे पहले एक्ट्रेस ने इस चोट की जानकारी फैंस को सोशल मीडिया के जरिए दी थी। उन्होंने बताया था कि एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उनके कूल्हे की टेंडन पूरी तरह से अलग हो गई थी। इसी चोट की वजह से उन्हें छह हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई थी।

रश्मिका मंदाना का वर्क फ्रंट

रश्मिका की आगामी फिल्म 'मैसा' की शूटिंग चल रही है। फिल्म का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। इसका निर्माण अनफॉमूर्ला फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

रश्मिका इसमें एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वे अपने एक्टर-पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'रणबाली' में भी नजर आएंगी।

आंखों पर पट्टी बांध गुमशुदा बच्ची को खोजने निकलीं तापसी पन्नू; 'गांधारी' का ट्रेलर जारी

तापसी पन्नू अपनी फिल्म 'गांधारी' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो अगले महीने रिलीज को तैयार है। आज मंगलवार को फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ है, जो काफी इमोशनल कर देने वाला है। तापसी पन्नू एक मां की भूमिका में हैं, जो अपनी गुमशुदा बच्ची को खोजने निकली हैं। मगर, यह काम वे आंखों पर पट्टी बांधकर करती हैं।

बच्ची को खोजने निकलीं तापसी पन्नू

ट्रेलर की शुरूआत तापसी और एक बच्ची के साथ होती है। तापसी आंखों पर पट्टी बांधे छुपन-छिपाई खेल रही हैं। बैकग्राउंड में एक बेहद प्यारी इमोशनल कविता सुनाई देती है। अगले दृश्य में बिटिया मिष्टी के साथ तापसी ट्रेन से यात्रा करती हैं और इसी दौरान उनकी बच्ची का अपहरण हो जाता है।

काफी तलाश के बाद भी बच्ची का पता नहीं चलता। मगर, मां का दिल हार नहीं मानता। इस बार तापसी आंखों पर पट्टी बांध बच्ची को ढूंढने के मिशन पर निकलती हैं। दरअसल, ट्रेलर में दिखाया गया है कि तापसी पर भी हमला होता है और उनकी आंखों की रोशनी चली जाती है। मगर, वे खास प्रशिक्षण लेती हैं और बच्ची की तलाश में निकलती हैं।

छाया कदम ने दिया तापसी को प्रशिक्षण

पता चलता है कि आसपास के इलाके में भी बच्चियां गुमशुदा हुई हैं। आगे छाया कदम की झलक है, जो तापसी को बाकायदा ट्रेनिंग देती हैं। बैकग्राउंड से आवाज आती है, 'महाभारत में गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी। तू अपनी बच्ची के लिए बांधेगी'।

प्रशिक्षण के बाद तापसी जॉयपुरा के इलाके में बच्ची को तलाशने निकलती हैं। वहां बहरुपियों के एक इलाके का पता चलता है और जो हकीकत मालूम होती है, उसे देख किसी का भी कलेजा कांप जाएगा।

रक्षाबंधन विवाद पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी, ट्रोलर्स को दिया तगड़ा जवाब

कृति सेनन इन दिनों अपने एक विज्ञापन को लेकर काफी ट्रोल हो रहीं थीं। इस मामले पर उन्हें एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने भी जमकर घेरा था। अब कृति ने इस पूरे मामले पर करारा जवाब दिया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

क्यों ट्रोल हुईं कृति सेनन?

उन्होंने एक ज्वैलरी ब्रांड के लिए यह विज्ञापन किया। एक्ट्रेस विज्ञापन में रक्षाबंधन का त्योहार मनाती नजर आईं। मगर, उनके कपड़े काफी रिवीलिंग थे। वे इंडो वेस्टर्न ड्रेस में दिखाई दीं। कृति सेनन की ड्रेस पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।

कृति ने इस मामले पर क्या कहा?

अब कृति ने इन ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि किसी महिला के कपड़ों से उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान को नहीं मापा जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्टोरी शेयर कर लिखा, 'त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है जिन्हें आप दिल से मानते हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा और प्यार का रिश्ता है। मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करते हैं और एक-दूसरे की अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं। हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'

महिलाओं पर एक्ट्रेस ने दिया ये बयान

महिलाओं पर बात करते हुए कृति ने कहा, 'आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है, लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से क्यों मापा जाता है? संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।'

कंगना ने पूरे मामले पर क्या कहा था?

कंगना रनौत ने इस मामले पर बात करते हुए अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा था, 'महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हमारे वॉर्डरोब तरह-तरह के कपड़ों से भरे हुए हैं। आज की महिला ग्लोबल है। कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा-चोली, जींस से लेकर साड़ी, बिकिनी से लेकर सलवार-कमीज तक, इतने सारे ऑप्शन होने के बावजूद आप बिकिनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर अपने भाई को राखी क्यों बांधेंगी? आपके स्टाइलिंग ऑप्शन कहां गए'? यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।

शुभकामनाओं के बहाने दक्षिण पर निगाहें तो नहीं

राजेश मिश्रा

रक्षाबंधन आने वाला है। इसके दो-तीन दिन बाद जन्माष्टमी भी है। त्योहार पर घर-घर जाकर शुभकामनाएं देना न संभव है और न ही अब इसका दौर है। सोशल मीडिया के साथ ही तिराहे-चौराहों पर होर्डिंग लगवा दो, काम हो जाएगा। आगरा शहर के तिराहे-चौराहों पर हर त्योहारों की तरह इस बार रक्षाबंधन और जन्माष्टमी की शुभकामनाओं वाले रंगीन होर्डिंग चमकने लगे हैं। हर होर्डिंग पर कमल भी खिल रहा है। लेकिन,देखने वालों को एक बात पर आश्चर्य हो रहा है। वो ये कि ऐसे होर्डिंग दक्षिणी क्षेत्र में कुछ ज्यादा ही हैं। वैसे तो नेताजी का फोटो, नाम ही काफी होता है पहचान जताने के लिए लेकिन, इन होर्डिंग में दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र का खासतौर पर उल्लेख लोगों को चौंका रहा है। राजनीति के कबरबिज्जू कहने लगे हैं कि चुनाव आने वाला है। मैदान में उतरने को कमर कस ली है। आखिर, लोगों को भी तो पता चले कि हम भी लाइन में हैं।

इस बार पूजन के लिए फोन नहीं आया

आगरा शहर में इस बार एक पूजन की बहुत चर्चा है। चर्चा इसलिए कि ये पूजन हर साल होता है। लोगों को बाकायदा फोन करके इसमें शामिल होने का आमंत्रण दिया जाता रहा है। फोन आया, मतलब, आपको जाना ही है। संबंध भी बरकरार रखने हैं। पूजन में जाओगे तो लिफाफा भी देने की परंपरा रही है। इस तरह के पूजन की खास बात ये रही है कि इसके लिए अनुमति लेनी पड़ती है। पूजन की अनुमति ये दशार्ती है कि जलवा बरकरार है। सियासी पकड़ का प्रतीक रहती है ये अनुमति। पिछले पूजन में आमंत्रित होते रहे अतिथि इस बार इंतजार ही करते रहे। कोई फोन ही नहीं आया। बताया जा रहा है कि पूजन के लिए काफी प्रयास किए लेकिन अनुमति नहीं मिली। अब पुराने अतिथि कह रहे हैं कि जलवा कहीं खत्म तो नहीं हो गया? इसीलिए अनुमति नहीं मिल पाई।

शहर में वन मैन शो

पिछले कुछ महीनों से शहर में एक नवीन चलन देखने में आने लगा है। दिल्ली के कोई बड़े माननीय हों या लखनऊ के, अगर आगरा में आए हैं, चाहें संगठन के कार्यक्रम में या फिर, सरकारी आयोजन में। इनके आवास पर उनकी आमद अवश्य हुई। खूब आवभगत की गई। इस स्वागत सम्मान के फोटो और वीडियो से सोशल मीडिया प्लेटफार्म फुल होते रहे। इसके पीछे संदेश यही था कि हम ही हैं यहां के सियासी सिकंदर। अंदरखाने की अटकलें तो सियासी उत्तराधिकारी मैदान में उतारने की हैं। इसके लिए राजनीतिक ज्योतिषियों ने उत्तर दिशा को शुभ बताया है। इसकी भनक लगते ही उत्तर में खलबली मच गई। मगर, उत्तर के ग्रह नक्षत्र अभी किसी बदलाव का संयोग ही नहीं बना रहे हैं। इधर, वन मैन शो से इनके अपने ही बहुत जलने लगे हैं। इनकी मंशा भांप चुके हैं। इसलिए राह में कुछ कांटे तो बिछाएंगे ही।

ये हैं कि मानते ही नहीं

आगरा शहर के उत्तर में आजकल 'साइकिल' बहुत तेजी से भाग रही है। कुछ समय पहले भैया आगरा आए थे। दो दिन तक आगरा शहर में रुके थे। दो दिनों के प्रवास के दौरान वे कई अपनों के यहां मिलने गए थे। जहां-जहां गए थे, वे वे खूब उछले थे। उत्तरी क्षेत्र में भी एक के यहां गए थे। अपनी ओर से तो अपने शक्ति प्रदर्शन की जोरदार तैयारी की थी। एक बार फिर मौका देने के लिए काफी अनुनय 'विनय' की थी। लेकिन, अफरातफरी ने भैया का मूड बिगाड़ दिया था। तब हल्ला तो ये किया गया कि भैया ने उत्तरी में 'साइकिल' दौड़ाने की परमीशन दे दी लेकिन अंदरखाने की बात ये है कि ऊपर से साफ मनाही हो गई है कि उत्तर दिशा में 'साइकिल' कतई नहीं चलानी है। लेकिन, ये मानते ही नहीं। खुद को ही उत्तरी के 'साइकिल सवार' बताकर मैदान उतर गए हैं।